Postal Regn No./C.G/RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

विश्व परिवार

● अंक : 91 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 21 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

बन्ध क्या है? मोक्ष क्या है? मैं यह नहीं जानता हूँ लेकिन आप क्या हैं, यह मैं जानता हूँ।

Although I do not know what is bondage and what is a salvation? But I know what are you.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष की हुई नियुक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन ने विभिन्न विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। श्रीमती गोमती साय, विधायक-विधानसभा क्षेत्र पत्थलगांव को सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। श्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक, विधानसभा क्षेत्र आरंग को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुश्री लता उसेण्डी विधायक -विधानसभा क्षेत्र कोण्डागांव को बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, विधायक- विधानसभा क्षेत्र मरवाही को मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। श्री ललित चन्द्राकर विधायक - विधानसभा क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण) छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बनाए गए है।

हरियाणा में कांग्रेस प्रत्याशी के काफिले पर फायरिंग, कार्यकर्ता को लगी गोली

सिरसा (आरएनएस)। हरियाणा में कांग्रेस उम्मीदवार के काफिले पर फायरिंग की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के काफिले पर गोलीबारी हुई है। बताया जा रहा है कि इस हमले में एक समर्थक की छाती में गोली लगी है।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक, लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए- छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण तथा बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

राज्य मंत्रिमण्डल ने राज्य में गठित पांचों विकास प्राधिकरणों के पुनर्गठन आदेश में आंशिक रूप से संशोधन की मंजूरी दी है। इस संशोधन से पांचों प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व का दायरा काफी विस्तृत किया गया है। पांचों प्राधिकरणों में अब राज्य मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगणों को सदस्य के रूप में शामिल करने के साथ ही संबंधित क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद एवं प्राधिकरण क्षेत्रों के जिला पंचायत अध्यक्षों को अब इसका सदस्य बनाया गया है। पांचों प्राधिकरणों में प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। शेष सभी सदस्य यथावत रहेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण : छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में प्रस्तावित संशोधन को मंत्रिमण्डल ने मंजूरी दी, जिसके तहत मुख्यमंत्री प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं क्षेत्र के विधायक उपाध्यक्ष होंगे। इस प्राधिकरण में सदस्य के रूप में शामिल पूर्व में मात्र तीन विभागों के मंत्री के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त माननीय मंत्रीगणों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण क्षेत्र के जिला पंचायत अध्यक्ष प्राधिकरण के सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को प्राधिकरण के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुसार पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल 35 विधायकगणों को और अन्य सदस्यों को यथावत रखा गया है।

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण : सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में संशोधन किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं क्षेत्र के विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) उपाध्यक्ष होंगे। पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल आदिम जाति कल्याण विभाग मंत्री एवं वित्त मंत्री के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगण प्राधिकरण के सदस्य होंगे। प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण क्षेत्र के जनजाति बाहुल्य जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष भी अब प्राधिकरण के सदस्य होंगे। आदिवासी विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग प्राधिकरण के सदस्य तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव प्राधिकरण के सदस्य सचिव होंगे। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुसार इसमें सदस्य के रूप में शामिल 14 विधायकगणों को यथावत शामिल किया गया है।

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण : मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा विधायक (अ.जा. आरक्षित) प्राधिकरण के उपाध्यक्ष होंगे। राज्य मंत्रिमण्डल के दो मंत्रियों के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगणों, संबंधित क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण के जिला पंचायत अध्यक्ष (अ.जा.), अनुसूचित जाति विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग प्राधिकरण के सदस्य तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव इस प्राधिकरण के सदस्य सचिव होंगे। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुरूप सदस्य के रूप में शामिल किए गए 10 विधायकों को यथावत रखा गया है।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण : मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा क्षेत्र के विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) उपाध्यक्ष होंगे। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में किए गए संशोधन के अनुसार अब दो मंत्रीगणों के स्थान पर राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगणों तथा प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस प्राधिकरण में आदिवासी विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को सदस्य के रूप में तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे। इस प्राधिकरण में पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल 12 विधायकों को यथावत रखा गया है।

बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण : मुख्यमंत्री जी इस प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्राधिकरण क्षेत्र के निर्वाचित विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) इसके उपाध्यक्ष होंगे। पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल मात्र दो मंत्रियों के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगणों, प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद तथा प्राधिकरण क्षेत्र के जनजातीय बाहुल्य जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री जी के स्वेच्छानुदान मद से 262 व्यक्ति एवं संस्थाओं को 4 करोड़ 56 लाख 72 हजार रूपये स्वीकृत राशि का अनुमोदन किया गया। राज्य के शहरों के सुव्यवस्थित विकास और राज्य की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मंत्रिपरिषद द्वारा एक बड़ा निर्णय लिया गया।

झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर भेजेंगे : अमित शाह

साहिबगंज (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को झारखंड के साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से भाजपा की परिवर्तन यात्रा का आगाज किया। इस मौके पर अमित शाह ने साहिबगंज पुलिस लाइन मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया।

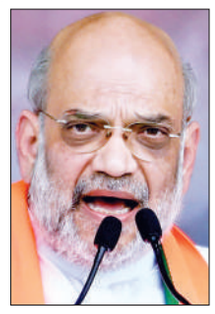

अमित शाह ने कहा कि यह यात्रा झारखंड में भ्रष्ट और बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली सरकार को हटाकर राज्य का विकास करने वाली भाजपा की सरकार बनाने का संदेश घर-घर पहुंचाएगी। राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही संथाल परगना से बांग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुनकर वापस भेजेंगे, यह हमारा वादा है। अमित शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताते हुए कहा कि इन्होंने एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला, 600 करोड़ का जमीन घोटाला, 1000 करोड़ का खनन घोटाला और 40 करोड़ का शराब घोटाला किया है। ये लोग सेना की जमीन तक खा गए। ऐसी सरकार कभी झारखंड के लोगों और आदिवासियों का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य सिर्फ हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी सरकार को हटाकर भाजपा को लाना नहीं, बल्कि झारखंड में एक ऐसी सरकार बनाना है, जो भ्रष्टाचार को रोके और बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां से बाहर भेज सके। आज झारखंड के पाकुड़ जिले में 'हिंदुओं और आदिवासियों झारखंड छोड़ो' के नारे लगते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि ये भूमि हमारे आदिवासियों की है या बांग्लादेशी-रोहिंग्या की? हमें इस धरती को बचाना है और यह काम हेमंत सोरेन और कांग्रेस की सरकार कभी नहीं कर सकती क्योंकि घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं। यह काम सिर्फ नरेंद्र मोदी और भाजपा की सरकार ही कर सकती है। अमित शाह ने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर आभार जताते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय, झारखंड सरकार के साथ इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाएगी। झारखंड का निर्माण अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने किया था। इसके पीछे का उद्देश्य जनकल्याण था, लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने जनकल्याण की जगह घुसपैठिया कल्याण वाला राज्य बना दिया। हेमंत सोरेन सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने कहा कि इन्होंने वादा किया था कि प्रतिवर्ष पांच लाख नौकरी देंगे, लेकिन युवा बताएं कि क्या उन्हें नौकरी मिली?

केजरीवाल बोले- हरियाणा में हमारे बिना नहीं बनेगी सरकार, अब मेरी अग्निपरिक्षा का समय

नई दिल्ली (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने जगाधरी में रोड शो किया। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि मेरी रगों में हरियाणा का खून बह रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हमारे बिना सरकार नहीं बनेगी।

भाजपा पर सीधा हमला करते हुए केजरीवाल ने कहा कि इन लोगों ने मुझे 5 महीने तक जेल में डालकर रखा और तरह-तरह की यातनाएं दीं। इसके बाद भी मैं नहीं टूटा। इन्हें पता नहीं था कि एक हरियाणवी को तोड़ा नहीं जा सकता। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में हमारी पार्टी किंगमेकर होगी। आम आदमी पार्टी को इतनी सीटें मिलने जा रही हैं कि हमारे बिना कोई सरकार नहीं बना सकेगा। केजरीवाल ने कहा कि तुम किसी को भी तोड़ सकते हो, लेकिन हरियाणा को नहीं तोड़ सकते। इन लोगों ने मेरे साथ जो भी किया, उसका बदला हरियाणा का बच्चा-बच्चा लेगा। इन लोगों ने मुझे जेल भेजा और हरियाणा वाले अब इन्हें बाहर भेजेंगे। इन्हें कोई अपनी गली और गांव में नहीं घुसने देता। मैं जेल में था तो इन लोगों ने मेरे विधायकों को खरीदने की बहुत कोशिश की, लेकिन हमारा एक भी एमएलए नहीं टूटा। पर यह फेल रहे। हमारा तो एक कार्यकर्ता भी ये लोग नहीं तोड़ पाए। हमारी पार्टी ईमानदारी में इतनी कट्टर है। मैं चाहता तो सीएम पद पर बना रह सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा,'भगवान राम 14 साल के वनवास के बाद जब लौटे थे तो माता सीता को अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी। मैंने भी यही फैसला लिया।

सीएम विष्णुदेव साय ने कबीरधाम कलेक्टर और एसपी को हटाया

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्ण देव साय ने कवर्धा जिले में ग्राम लोहारीडीह में 15 सितंबर को श्री शिवप्रसाद साहू की मृत्यु के उपरांत घटित आगजनी में श्री रघुनाथ साहू की मृत्यु की दुर्भाग्यजनक घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने इस घटना के परिप्रेक्ष्य में पुलिसकर्मियों द्वारा ग्रामीणों से मारपीट किए जाने की घटना के चलते रेंगाखार थाने के निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक सहित वहां पदस्थ कुल 23 पुलिसकर्मियों को भी हटा दिया है।

लोहारीडीह घटना की मजिस्ट्रियल जांच के दिए गए निर्देश

रेंगाखार थाना प्रभारी और पूरा स्टॉफ बदला

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कबीरधाम जिले के कलेक्टर और एसपी को हटा दिया गया है। कबीरधाम के कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के स्थान पर श्री गोपाल वर्मा को कबीरधाम जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक पल्लव को हटाकर उनके स्थान पर श्री राजेश कुमार अग्रवाल को पुलिस अधीक्षक पदस्थ किया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ आईपीएस श्री विकास कुमार को पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा दिए गए मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कबीरधाम द्वारा अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री निर्भय कुमार साहू को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा उन्हें 30 दिवस के भीतर निर्धारित बिन्दुओं पर जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव ने कहा कि भविष्य में इस तरह की किसी भी प्रकार की घटना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज के केशलोंच सम्पन्न हुए, 72 दिनों के बाद ग्रहण करेंगे अन्न

झांसी (विश्व परिवार)। कटरा जैन मंदिर झांसी में परम पूज्य आचार्य श्री विशद सागर जी के सानिध्य में उनके परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज ने उत्कृष्ट विधि से दो माह पूर्ण होने पर अपने हाथो से केशलोंच संपन्न किए।

केशलोंच दिगंबर साधु की एक कठिन परीक्षा है, निर्जल उपवास पूर्वक रहकर घास फूस की तरह हाथो से बालो को उखाड़ कर फेंकना शरीर से निर्ममत्व होने की यह कठिन साधना है।

मुनि विशाल सागर जी महाराज 13 जुलाई से 22 सितम्बर तक त्रिकालवर्ती तीर्थंकर व्रत-उपवास की साधना कर रहे है, कभी 72 घण्टे बाद कभी 96 घण्टे बाद भी जब मुनि श्री जब आहार चर्या में निकलते थे तो अल्पाहार ही ग्रहण करते हैं।

मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज 22 सितम्बर 2024 को आहार की बेला में 72 दिन बाद अन्न ग्रहण करेंगे । बिना अन्न के 72 दिन निकालना व 72 घण्टे निर्जल उपवास के बाद भी केशलोंच करना पंचम काल में चतुर्थ काल के साधुओं की स्मृति दिला देती है। मुनि श्री की लगातार 72 दिन के अनशन ऊनोदर तप-त्याग भरी साधना को शत शत नमन। धन्य हैं ऐसे मुनिराज एवं उनकी मुनिचर्या। **-ब्र.प्रदीप भैय्या (संघस्थ)**

मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता का आधार है : राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह

निर्धारित समयसीमा में मतदाता सूची शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के दिए गए निर्देश

स्थानीय निकायों के निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित

स्थानीय निकायों के निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने स्थानीय निकायों के निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग में कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता का आधार है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावली को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए आज विशेष ब्रीफिंग का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य नामावली में संभावित त्रुटियों को दूर करना और सभी योग्य मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज करना है ताकि चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से आयोजित हो सके। आयुक्त श्री अजय सिंह ने निर्धारित समय सीमा में मतदाता सूची शुद्ध एवं त्रुटि पूर्ण बनाने की निर्देश दिए।

आयुक्त श्री अजय सिंह ने सभी प्रेक्षकों से कहा कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में ई आर ओ तथा ए ई आर ओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का समय पर निरीक्षण करते रहें और यदि आपको आवंटित जिले में पुनरीक्षण कार्यक्रम में किसी भी चरण में जिले में नियमों, निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है तो इसकी सूचना संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी तथा आयोग को तत्काल प्रदान कर समाधान प्राप्त करें।

ब्रीफिंग में निर्वाचक प्रेक्षकों को निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी अहम भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रेक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे मतदाता सूची की जांच और सुधार प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतें। यह सुनिश्चित किया जाए कि सूची में कोई नाम दोहराया न जाए, मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जाएं, और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाएं। आयोग द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया की 1 जनवरी 2024 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाता का नाम सूची में आवश्यक रूप से जोड़ा जाए। तथा जिला स्तर पर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

आयोग के सचिव डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कहा कि जिला स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर राज्य निर्वाचन आयोग से संपर्क कर समाधान लिया जा सकता है।आयोग द्वारा जारी निर्देशों एवं निर्धारित प्रक्रिया का शत प्रतिशत पालन करें तथा किसी भी प्रकार की वाद विवाद की स्थिति निर्मित ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा दी गई जिम्मेदारी का गंभीरता पूर्वक पालन करें। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयोग की उपसचिव डॉ. नेहा कपूर एवं श्री आलोक श्रीवास्तव उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का मूल पाठ

वर्धा (पीआईबी)। दो दिन पहले ही हम सबने विश्वकर्मा पूजा का उत्सव मनाया है। और आज, वर्धा की पवित्र धरती पर हम पीएम विश्वकर्मा योजना की सफलता का उत्सव मना रहे हैं। आज ये दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 1932 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान शुरू किया था। ऐसे में विश्वकर्मा योजना के एक साल पूर्ण होने का ये उत्सव, विनोबा भावे जी की ये साधना स्थली, महात्मा गांधी जी की कर्मभूमि, वर्धा की ये धरती, ये उपलब्धि और प्रेरणा का ऐसा संगम है, जो विकसित भारत के हमारे संकल्पों को नई ऊर्जा देगा। विश्वकर्मा योजना के जरिए हमने श्रम से समृद्धि, इसका कौशल से बेहतर कल का जो संकल्प लिया है, वर्धा में बापू की प्रेरणाएँ हमारे उन संकल्पों को सिद्धि तक ले जाने का माध्यम बनेंगी। मैं इस योजना से जुड़े सभी लोगों, देश भर के सभी लाभार्थियों को इस अवसर पर बधाई देता हूं।

आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाज़ार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य है- भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का पीएम मित्र पार्क इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। मैं इस उपलब्धि के लिए भी आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ।

हमने विश्वकर्मा योजना की पहली वर्षगांठ के लिए महाराष्ट्र को चुना, हमने वर्धा की इस पवित्र धरती को चुना, क्योंकि विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं है। ये योजना भारत के हजारों वर्ष पुराने कौशल को विकसित भारत के लिए इस्तेमाल करने का एक रोडमैप है। आप याद करिए, हमें इतिहास में भारत की समृद्धि के कितने ही गौरवशाली अध्याय देखने को मिलते हैं। इस समृद्धि का बड़ा आधार क्या था? उसका आधार था, हमारा पारंपरिक कौशल! उस समय का हमारा शिल्प, हमारी इंजीनियरिंग, हमारा विज्ञान! हम दुनिया के सबसे बड़े वस्त्र निर्माता थे। हमारा धातु-विज्ञान, हमारी मेटलर्जी भी विश्व में बेजोड़ थी। उस समय के बने मिट्टी के बर्तनों से लेकर भवनों की डिजाइन का कोई मुकाबला नहीं था। इस ज्ञान-विज्ञान को कौन घर-घर पहुंचाता था? सुतार, लोहार, सोनार, कुम्हार, मूर्तिकार, चर्मकार, बढ़ई-मिस्त्री ऐसे अनेक पेशे, ये भारत की समृद्धि की बुनियाद हुआ करते थे। इसीलिए, गुलामी के समय में अंग्रेजों ने इस स्वदेशी हुनर को समाप्त करने के लिए भी अनेकों साजिशें की। इसलिए ही वर्धा की इसी धरती से गांधी जी ने ग्रामीण उद्योग को बढ़ावा दिया था। ये देश का दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद की सरकारों ने इस हुनर को वो सम्मान नहीं दिया, जो दिया जाना चाहिए था।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पहले बैच के हितग्राहियों को कलेक्टर दीपक सोनी ने प्रदान किए सर्टिफिकेट

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा, आसानी से मिल सकेगा लोन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी ने आज पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत टेलरिंग सेक्टर में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किए 19 हितग्राहियों के पहले बैच को सर्टिफिकेट प्रदान किया है। जिससे इन ही हितग्राहियों ना केवल कौशल में निखार होगा बल्कि उन्हें आसानी से स्वरोजागर हेतु 1 लाख रूपये तक लोन मिल जाएगा। कलेक्टर ने सभी हितग्राहियों से मिलकर उन्हें बधाई देते हुए उनका हालचाल का जायजा लिया। इसी तरह भाटापारा आईटीआई में भी 20 हितग्राहियों को तहत राजमिस्त्री सेक्टर में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर पूरे बैच को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 51903 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया है। जिसमे से 27 हजार 478 हितग्रहियो को सत्यापित कर चरण बद्ध तरीके से ट्रेनिग दी जा रही है। जिसमें बेसिक ट्रेनिग 5 दिवसीय, एडवांस ट्रेनिग 15 दिन की होती है साथ ही हितग्राहियों को 500 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय दिया जाता है। प्रशिक्षण उपरांत संबधित सेक्टर का कीट एवं एनएसडीसी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। पीएम विश्वकर्मा योजना का मकसद उन कारीगरों की मदद करना है, जो अपने पारंपरिक हुनर से जीवनयापन करते हैं, जैसे लोहार, बढ़ई, कुम्हार, दर्जी, और कई अन्य। ऐसे परिवार के युवा योजना से मिली राशि का उपयोग कर अपनी हस्तकला और शिल्पकला के माध्यम से अपनी आजीविका आराम से चला सकते हैं। इस योजना के तहत, उन्हें वित्तीय सहायता के साथ-साथ तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण भी मुहैया कराए जाते हैं, जिससे वे अपने काम में सुधार कर सकें और अपनी आमदनी को बढ़ा सकें। यह योजना उन कारीगरों और शिल्पकारों के लिए है, जो पारंपरिक काम से जुड़े हुए हैं। कुछ प्रमुख कारीगर समूह जिन्हें इस योजना का लाभ मिलता है। जिसमें बढ़ई, कुम्हार, दर्जी सुनार लोहार मोची नाव बनाने वाले माला बनाने वाले इनके अलावा, अन्य पारंपरिक कारीगर भी इस योजना के तहत पात्र हो सकते हैं, जिनका नाम इस सूची में नहीं है। इस लिस्ट में 18 कैटेगरी के काम का जिक्र है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को बेहद कम दर पर लोन मिलता है। इसमें कारीगरों को 5 प्रतिशत की आसान ब्याज दर पर लोन दिया जाता है, जो अन्य सामान्य लोन की तुलना में बहुत कम है।

स्किल अपग्रेडेशन: कारीगरों को आधुनिक तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे अपने काम में दक्षता ला सकें और उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकें। उपकरणों की मददः कारीगरों को उनके कार्यों के लिए आधुनिक उपकरण भी दिए जाते हैं, जिससे उनका काम सरल और अधिक प्रभावी हो सके।

सचिव ने सरपंच का फर्जी हस्ताक्षर कर दो लाख तीस हजार रुपए किया आहरण

सरपंच के हस्ताक्षर का दुरूपयोग, ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

जशपुर (विश्व परिवार)। दुलदुला ब्लॉक के कोरना पंचायत में भ्रष्टाचार व अनियमितता का मामला सामने आया हैं . सरपंच ने सचिव पर गंभीर आरोप लगाएं हैं. सचिव ने सरपंच का फर्जी हस्ताक्षर कर रिपा से दो लाख तीस हजार आहरण कर राशि गबन कर दिया हैं.जिस पर बखेड़ा खड़ा हो गया, जिसकी शिकायत उच्च स्तर पर सीएम केम्प से लेकर कलेक्टर तक कि गई हैं. इसको लेकर सरपंच समेत ग्रामीणों ने विगत मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टर के पास पहुंचे और कलेक्टर के नाम सचिव भागीरथ सिंह के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही कि मांग किए हैं. ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विधानसभा क्षेत्र दुलदुला जनपद हैं. उपरोक्त मामले पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन प्रशासनिक उदासीनता कि वजह से अब तक कोई कार्यवाही नही हुई हैं जिससे सचिव के हौसले बुलंद हैं.

सरपंच ने बताया कि सचिव भागीरथ सिंह ने बिना कार्य कराएं सरपंच का फर्जी हस्ताक्षर कर रिपा से दो लाख 30 हजार रुपए का आहरण किया हैं जिसके बाद उपरोक्त राशि मांगने पर उसने नही लौटाया . इसके आलावा रिपा में बोर खनन का पैसा 47 हजार का, सरपंच के ऊपर दबाव करके एक लाख 60 हजार का चेक अवनी एक्का के नाम पर 3 फ़रवरी 2024 को करवाया. 15 वें वित्त के बिना पंचायत बैठक किए चबूतरा निर्माण के लिए 50000 समेत अन्य कार्यों के लिए पंचायत प्रतिनिधि के बगैर राशि आहरण हेतु दबाव सरपंच को किया जा रहा हैं. सचिव ने बिना पंच बैठक आज तक किए बिना मनमानी राशि आहरण किया गया हैं.

कलिंगा विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस जागरूकता सप्ताह समारोह का आयोजन संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने फार्माकोविजिलेंस और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर रिपोर्टिंग संस्कृति का निर्माण विषय के साथ 17-23 सितंबर, 2024 तक चौथे राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह मानाने की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य रोगी सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की रिपोर्टिंग की व्यवस्था को बढ़ावा देना है।

कलिंगा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय ने 19 सितंबर 2024 को चौथा राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस जागरूकता सप्ताह मनाया, जिसका विषय था: रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर और रिपोर्टिंग व्यवस्था का निर्माण।

जागरूकता कार्यक्रम के एक भाग में फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. संदीप प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन श्री प्रांजुल श्रीवास्तव (सहायक प्रोफेसर), श्री स्मृतिरंजन दाश (सहायक प्रोफेसर), डॉ. रूपाली भारती साव (सहायक प्रोफेसर) ने किया। तकनीकी जागरूकता सत्र से पहले एम्स, रायपुर से डॉ. पुगाजेनथन थंगाराजू (समन्वयक - एमवीपीआई), डॉ. प्रफुल्ल पी. थावरे (सहायक प्रोफेसर और सदस्य रोगी सुरक्षा समिति), डॉ. विकास कटियारा (एएमसी, वरिष्ठ रेजिडेंट आई/सी) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में एम.फार्मा, बी.फार्मा, डी.फार्मा और डी.फार्मा के विद्यार्थी शामिल हुए।

विदित हो कि राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आम जनता और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच जागरूकता पैदा करने और फार्मेसी के महत्व के बारे में शिक्षित करने के इरादे से मनाया जाता है। फार्माकोविजिलेंस और फार्माकोविजिलेंस से संबंधित गतिविधियों को करने में स्वास्थ्य पेशेवरों की भूमिका के बारे में आम जनता को जागरूक करना इसका मुख्य उद्देश्य रहता है। तकनीकी जागरूकता सत्र की शुरुआत प्रतिकूल दवा के प्रभाव की रिपोर्टिंग (एडीआर) के महत्व और जरूरतों और एडीआर भरने में फार्माकोविजिलेंस की भूमिका के बारे में परिचयात्मक जानकारी के साथ प्रस्तुत की गयी। इसके साथ ही छात्रों को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के बारे में जानकारी दी गई। जो हर साल 19 सितंबर को दुनिया भर में मनाया जाता है ताकि रोगी सुरक्षा के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा की जा सके एवं रोगी सुरक्षा में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाने और नवीन कार्ययोजना तैयार किया जा सके। इससे रोगी को होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी।

इसके अलावा विभिन्न प्रकार के एडीआर के बारे में जानकारी और एडीआर भरने के लिए उपयोग की जाने वाली विधि से छात्रों को परिचित कराया गया, साथ ही एडीआर भरने के प्रति फार्मासिस्ट के कर्तव्य के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक संस्थानों के लिए 2024-2025 शिक्षा सत्र के अवकाश की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय महानदी भवन द्वारा शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश का आदेश जारी कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार शैक्षणिक सत्र के शिक्षा संस्था के लिए कुल 64 दिनों का अवकाश घोषित किए गए हैं। जारी आदेश में दशहरा के अवसर पर 7 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक कुल 6 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। इसी प्रकार दीपावली त्यौहार पर 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2024 तक कुल 6 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। वहीं शीतकालीन अवकाश 23 दिसंबर से 28 दिसंबर 2024 तक कुल 6 दिन और ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से 15 जून 2025 तक कुल 46 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। इस प्रकार कुल मिलाकर 64 दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

विजय मिश्रा की किताब कल्लू कुकुर के पावर का विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार रंगकर्मी विजय मिश्रा अमित की किताब कल्लू कुकुर के पावर का विमोचन 22 सितंबर 24 दिन रविवार को प्रेस क्लब मोती बाग के सभागार में शाम 4 बजे होगा। विजय मिश्रा के इस छत्तीसगढ़ी हास्य व्यंग संग्रह का विमोचन सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार रामेश्वर वैष्णव, वरिष्ठ भाषाविद डॉ. चितरंजन कर, वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज, डॉ. सुधीर शर्मा, प्रेस क्लब अध्यक्ष, प्रफुल्ल ठाकुर, प्रेस क्लब महासचिव वैभव शिव पांडे के करकमलों होगा।छत्तीस छटा लोक- साहित्य कला परिषद के इस आयोजन में साहित्यकारों की बड़ी बिरादरी शामिल होगी।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं नशा मुक्त भारत अभियान के लिए एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 92018-999251 जारी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में नई दिशा अभियान अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्त भारत अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसमें आमजनों को मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति से सहायता हेतु एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 92018-999251 जारी किया गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निग्नदाय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि तुलसी वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले उच्चदाब (33/11 के.व्ही.) विद्युत लाईन में दिपावली पूर्व आवश्यक सुधार कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनोंक को सुबह 10:00 से शाम 05:00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले सगस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र का नाम
1	05.10.2024	शनिवार	11 के.व्ही. टाउन से	ग्राम तुलसी नेवरा के समस्त उपभोक्ता
2	06.10.2024	रविवार	11 केव्ही बहेसर फीडर	ग्राम महेसर, सिर्वे, बरतोरी, रजिया, देवरी के समस्त उपभोक्ता
3.	07.10.2024	सोमवार	11 केव्ही छतौद फीडर	ग्राम छतौद, ताराशिव के समस्त उपभोक्ता
4	08.10.2024	मंगलवार	11 केव्ही बिलाडी फीडर	ग्राम बिलाडी के सगस्त उपभोक्ता
			बिलाड़ी सब स्टेशन मेनटेनेन्स	बिलाड़ी सब स्टेशन निकलने वाले सभी 11 के.व्ही. फीडर
5.	09.10.2024	बुधवार	11 केव्ही रजीव गांधी फीडर	ग्राम किरना, निनवा, हथबंद एवं सीलपट्टी के समस्त उपभोक्ता
6	10.10.2024	गुरुवार	11 केव्ही कोहका फीडर	ग्राम कोहका, घुलघुल के समस्त उपभोक्ता
7	11.10.2024	शुक्रवार	11 केव्ही जलसो फीडर	ग्राम कुन्दरू, नकटी एवं जलसो के समस्त उपभोक्ता
8.	13.10.2024	रविवार	11 केव्ही खम्हरिया फीडर	ग्राम ताराशिव, कोनारी, खम्हरिया के समस्त उपभोक्ता
			ताराशिव सब स्टेशन मेनटेनेन्स	ताराशिव सब स्टेशन निकलने वाले सभी 11 के. व्ही. फीडर
9	14.10.2024	सोमवार	11 केव्ही सासाहोली फीडर	ग्राम बिलाडी, परसदा के समस्त उपभोक्ता
10	15.10.2024	मंगलवार	11 केव्ही वैकुण्ठ फीडर	ग्राम टण्डवा, बैकुण्ठ, हथबंद के समस्त उपभोक्ता
11	16.10.2024	बुधवार	11 केव्ही सरोरा फीडर	ग्राम सरोरा, बुंदेलीडीह के समस्त उपभोक्ता1
12	17.10.2024	गुरुवार	11 केव्ही जोता फीडर	ग्राम जोता, भुरसुदा, गुजरा के समस्त उपभोक्ता
			जोता सब स्टेशन मेनटेनेन्स	जोता सब स्टेशन निकलने वाले सभी 11 के.व्ही. फीडर
13	18.10.2024	शुक्रवार	11 केव्ही ओडगन फीडर	ग्राम ओडगन, बिनेका के समस्त उपभोक्ता
14	19.10.2024	रविवार	11 केव्ही टाउन एक	ग्राम तुलसी, वृन्दावन कॉलोनी, हॉउसिंग बोर्ड, जेबी सिटि के समस्त उपभोक्ता
			तुलसी सब स्टेशन मेनटेनेन्स	तुलसी सब स्टेशन निकलने वाले सभी 11 के.व्ही. फीडर
15	20.10.2024	सोमवार	11 केही स्ट्रीट लाईट फीडर	ग्राम औद्योगिक क्षेत्र के समस्त उपभोक्ता मरतोरी सब स्टेशन निकलने वाले सभी 11 के.व्ही.
			बरतोरी स्टेशन मेंटनेंस	फीडर
16	21.10.2024	मंगलवार	11 केव्ही सरोरा पम्प फीडर	ग्राम भुस्सुदा, गुजरा, जोता, सरोरा, बुंदेलीडीह के पंप उपभोक्ता
17	22.10.2024	बुधवार	11 केव्ही छतौद पम्प फीडर	ग्राम छतीद, खम्हरिया, ताराशिव एवं कोनारी के समस्त पंप उपभोक्ता
18	23.10.2024	गुरूवार	11 केव्ही रजिया पम्प फीडर	ग्राम रजिया, सिर्वे के समस्त पंप उपभोक्ता
19	24.10.2024	शुक्रवार	11 केव्ही जलसो पम्प फीडर	ग्राम नकटी, जलसो, कुन्दरू के समस्त पंप उपभोक्ता
20	25.10.2024	शनिवार	11 केव्ही सिलपट्टी पम्प फीडर	ग्राम सिलपट्टी, निनवा, किरना, हथबंद के समस्त पंप उपभोक्ता

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीयकृत कॉल सेंटर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं।

असुविधा के लिए खेद है

कार्यपालन यंत्री(संचा./संधा) संभाग
छ0स्ट0पॉ0डि0कं0लिमि0, रायपुर

"विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं, कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

SAMVAD

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि तिल्दा उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले उच्चदाब (33/11 के.व्ही.) विद्युत लाईनों में दिपावली पूर्व आवश्यक कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनांक को सुबह 10:00 से शाम 04:00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है ।

क्र.	दिनांक	सबस्टेशन का नाम	फीडर/सबस्टेशन का नाम	प्रभावित क्षेत्र का नाम
1	24.09. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. जी.एम.आर.	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र खरोरा, भैसा, कोसरंगी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडर के उपभोक्ता तथा 33 के. व्ही ओम राइस टेक माहित दाल, सी जी, सोया, भारदा डेयरी, बी.पी.सी. एल अ ट धातु फेसे इत्यादि ।
2	26.09. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. बरतोरी फीडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र बरतोरी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडर के उपभोक्ता तथा 33 के. व्ही एच. टी. फीडर खेतान बिल्डकॉन रायपुर केटेनर तथा आर. के. वेयर हाउस के उपभोता इत्यादि ।
3	28.09. 2024	132 के.व्ही. सिमगा	33 के.व्ही. रायपुर फिडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र बिलाड़ी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडरों के उपभोक्त तथा 33 के. व्ही. एच. टी. महेन्द्रा, वेन्कट पोल्ट्री रायपुर रेफा थेम, सेन्ट्रल सीमेंट इत्यादि।
4	30.09. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. जोता फिडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र बिलाड़ी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडरों के उपभोक्त तथा 33 के. व्ही. पोल्ट्री फीडर एवं अग्रवाल विद्युत फीडर।
5	02.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. वकरंगी फिडर	33/11 के. व्ही. वकरंगी।
6.	04.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. तुलसी फिडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र तिल्दा एवं तुलसी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्हीं. फीडरों के उपभोक्ता।
7	05.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. जोता से बिलड़ी फीडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र जोता एवं बिलाड़ी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्हीं. फीडर के उपभोक्ता तथा 33 के. व्ही. एच. टी. महेन्द्रा बेन्कट पोल्ट्री रायपुर रेफा थेम, सेन्ट्रल सीमेंट इत्यादि।
8	07.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. जे. फिडर	33 के. व्ही. वकरंगी फिडर एवं 33 के. व्ही. हाईटेक फीडर।
9	09.10. 2024	132 के.व्ही. कुथरैल	33 के.व्ही. वकरंगी फिडर	33/11 के. व्ही. वकरंगी फिडर।
10	11.10. 2024	132 के.व्ही. कुथरैल	33 के.व्ही. हाईटेक फिडर	33 के. व्ही. हाईटेक फिडर।
11	12.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. एच. टी. फिडर	33 के. व्ही. एच. टी. कनेक्शन अमित चावल, मुनका राईस, के. के. इंडस्ट्रीज, गोयल फुड्स, कैलाश राईस, जे. डी. इंडस्ट्रीज, चैतन्य सालवेक्स अग्रवाल ऑइल इत्यादि।
12	14.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. पोल्ट्री फिडर	33 के. व्ही. पोल्ट्री फिडरों के समस्त उपभोक्ता। एच. टी. महेन्द्रा, वेंकट पोल्ट्री, रायपुर रेफा थेम, सेन्ट्रल सीमेंट इत्यादि।
13	16.10. 2024	132 के.व्ही. कुरथैल	33 के.व्ही. सिलयारी फिडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र सिलयारी से निकलने वाले समस्त 11 के. व्ही. फीडरों के उपभोक्ता।
14	18.10. 2024	132 के.व्ही. तुलसी	33 के.व्ही. ताराशिव फिडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 के. व्ही. फीडर के समस्त उपभोक्ता तथा 33 के. व्ही. इकोरेक्स, महालक्ष्मी स्टोन, अमेटी यूनिवर्सिटी, आई. टी.बी.पी., उमाश्री इत्यादि।
15	19.10. 2024	132 के.व्ही. कुरथैल	33 के.व्ही. इंडियन ऑयल फिडर	33/11 के. व्ही. संभव स्पंज, 400 के. व्ही. रैता 33/ 11 के. व्ही. उपकेन्द्र सिलियारी।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीयकृत कॉल सेंटर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं।

कार्यपालन यंत्री (संचा0/संधा0) संभाग
छ0स्ट0पॉ0डि0कं0लिमि0, रायपुर

"विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं, कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

SAMVAD- 41506/ 1

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14674/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 19-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14674
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L1399A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALVINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJIT SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KULWINDER SINGH SANGHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAKHBEER SINGH SANGHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14661/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 19-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14661
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801Q00195** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAMOD KUMAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM VACHAN VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **YASMIN KHATOON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MD. ARBAJ ANSARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14700/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 20-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14700
वार्ड का नाम-41-दीन दयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569G00212** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLESH DEVI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ROSHANI KRISHNKANT BACHHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KRISHNKANT SHYAM SUNDER BACHHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14701/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 20-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14701
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567E0125B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLESH DEVI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHUNNESHWARI TURKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJKUMAR TURKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14702/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 20-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14702
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567K0371F** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MADHURESH AGRAWAL HUF** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAVITA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHILAWAN RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./14703/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2024
रायपुर दिनांक : 20-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14703
वार्ड का नाम-43-महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR561C0139F** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJNI SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIVJI SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MALA KAUSHIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANIL KAUSHIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 21 सितंबर 2024

सरकारी शराब दुकान संचालन को लेकर महिलाओं ने जमकर किया प्रदर्शन

दुकान के मेन गेट पर लगाया ताला, वाहनों की आवाजाही रही बाधित

कोरबा(विश्व परिवार)। कई वर्षों बाद लोगों को ध्यान आया कि सरकारी शराब दुकान के संचालन से समस्या हो रही है और खतरे बढ़ रहे हैं, इसलिए यह सब धंधा यहां पर नहीं होना चाहिए। मुड़ापार बायपास मार्ग पर इस मांग को लेकर महिलाओं व लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने दुकान के गेट पर ताला लगा दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मोर्चा संभाला। प्रदर्शन के कारण इस रास्ते पर वाहनों की आवाजाही बाधित रही। लगभग सात वर्ष से इस क्षेत्र में आबकारी विभाग के द्वारा देशी-विदेशी शराब की दुकान संचालित की जा रही है। उस समय भी क्षेत्र के

लोगों ने इसका विरोध किया था लेकिन हुआ कुछ नहीं। तब से हर वर्ष दुकान को विस्थापित करने की मांग होती रही। इस वित्त वर्ष के शुरू होने से पहले ही लोगों के हस्ताक्षर अभियान के हवाले से लोगों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देने के बाद आज यहां प्रदर्शन किया। उनकी एक सूत्रीय मांग है कि किसी भी कीमत पर शराब दुकान को यहां से अविलंब हटाया जाए, अन्य स्थिति में वे कड़ा मोर्चा खोलने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने यहां जमकर नारेबाजी की और अफसरों के साथ जन प्रतिनिधियों को आड़े हाथों लिया। बालकोनगर मार्ग स्थित रामपुर की देशी-विदेशी शराब दुकान के कारण आसपास का माहौल भी खराब हो रहा है। आए दिन यहां सडक जाम होती है और हादसे भी होते हैं।

द्वारा प्रशासन को अवगत कराया गया था। इस पर भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया और शराब दुकान यथावत संचालित होती रही। हाल में ही इस मार्ग पर वाहन की ठोकर से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बाद हालात बिगड़े हुए हैं। लगातार मांग हो रही है कि अब दुकान यहां से हटना ही चाहिए। पूर्व में चलाए गए

नदी व जलाशयों में पूर्वजों को दिया जा रहा तर्पण

कोरबा(विश्व परिवार)। आश्विन कृष्ण पक्ष की शुरुआत के साथ पितृपक्ष की उपस्थिति में हिंदू समुदाय अपने पूर्वजों को श्रद्धा पूर्वक याद कर रहा है। नदी ,जलाशय के अलावा घरों में भी इस प्रक्रिया की पूर्ति की जा रही है। एक पखवाड़ा तक चलने वाले श्राद्ध पक्ष में परंपरागत रूप से दिवंगतजनों का स्मरण किया जाता है। प्रतिदिन स्नान के साथ इस विधान को पूरा करना होता है जबकि अवसान तिथि के हिसाब से श्रद्धा दिवस को कई और औपचारिकता पूरी की जाती हैं। पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के तौर पर श्राद्ध पक्ष को देखा जाता है। पितृपक्ष की शुरुआत के साथ कोरबा और आसपास के क्षेत्र में स्थित जल स्त्रोतों में सुबह-सुबह इस प्रकार के नजारे देखने को मिल रहे हैं। अनेक स्थानों पर पुरोहितों को विधान की पूर्ति करने का उत्तरदायित्व मिला हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

डीपीओ द्वारा किया गया वजन त्यौहार का सत्यापन

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में मंगलवार को हरदीबाजार परियोजनांतर्गत रैनपुर एवं तिवरता आंगनबाड़ी केन्द्र में वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने उक्त केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के वजन का सत्यापन किया साथ ही पालकों को वृद्धि निगरानी कार्ड प्रदान किया। उक्त कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा बच्चों के खानपान में विशेष ध्यान देने, उनके शारीरिक विकास हेतु आहार में पोषण तत्वों से युक्त भोजन शामिल करने हरी पत्तेदार सब्जियां, शामिल करने की जानकारी दी गई। गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं किशोरी बालिकाओं को भी अपने खानपान में संतुलित आहार षामिल करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र अंर्तगत उपस्थित कार्यकर्ताओं से पोषण माह अंतर्गत की गई गतिविधियों की जानकारी ली गई। समस्त कार्यकर्ताओं को वजन की ऑनलाईन एंट्री सही रूप से करने हेतु निर्देषित किया गया।

हाथी ने मवेशी को उतारा मौत के घाट, रौंदी फसल

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत केंदई रेंज में मौजूद हाथियों का उत्पात अब बढ़ता ही जा रहा है। बताया जा रहा हैं की यहां मौजूद हाथियों का दल रेंज के कोरबी सर्किल अंतर्गत स्थित ग्राम सिटीपखना में घुस गया। जहां एक ग्रामीण के घर के बाहर बंधे मवेशियों पर हमला कर दिया, जिससे एक मवेशी की मृत्यु हो गई। जबकि एक अन्य घायल बताया जा रहा हैं, जिसका उपचार पशु चिकित्सक के जरिये कराया जा रहा है। बढ़ते उत्पात से ग्रामीण काफी भयभीत हैं। वनविभाग हाथियों को नियंत्रित करने के लिए हर संभव कोशिश में जुटा हुआ है। हाथियों ने ग्राम में मवेशियों को तो मारा ही साथ ही खेतों में पहुंचकर ग्रामीणों द्वारा लगाए गए धान की फसल को भी रौंद कर चैपट कर दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आंकलन में जुट गया। हाथियों द्वारा हर रोज फसल रौंदे जाने से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। क्षेत्र में 48 हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। हाथियों का दल दिन भर एक साथ रहता है और रात होते ही अलग-अलग बट जाता है, जिसकी वजह से हाथियों की निगरानी में काफी दिक्कतें होती है।

न्यूनतम वेतनमान के लिए सीजीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र की खदान में आउट सोर्सिंग पर काम कर रही विभिन्न कंपनियों के सामने चुनौतियां बढ़ती जा रही है। अलग-अलग मांग को लेकर आए दिन मोर्चा खोला जा रहा है। गेवरा एरिया के सीजीएम कार्यालय के सामने एक संगठन ने यहां प्रदर्शन किया। उसकी मांग थी कि रूंगटा कंपनी के अंतर्गत काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतनमान दिया जाए। इनके द्वारा मांग की जा रही है कि- एच.पी.सी. रेट जो कि कोल इंडिया द्वारा निर्धारित किया गया है, उन्हें नहीं दिया जाता है। एच पी. सी. रेट न देकर 18,000ई-, 22,000ई-, 25,000ई- दिया जाता है, जो नियम के विरूद्ध है व शोषण तथा भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। पर्याप्त संख्या में प्रदर्शन करने के लिए कामगार जुटे। एक संगठन के लिए काम करने वाले लोग भी यहां पहुंचे थे। प्रदर्शन का मकसद प्रबंधन पर दबाव बनाना था ताकि मसले को हल किया जा सके। जानकार सूत्रों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर गठित एक संगठन कुछ समय पहले नीतिगत कारणों से दो फाड़ हो गया है और उसके बाद अब खींचतान जारी है। वर्चस्व को लेकर लड़ाई तेज हो गई है। गेवरा में आज के प्रदर्शन को इसी कड़ी से जोडकर देखा जा रहा है।

एसईसीएल के कार्मिक निदेशक ने किया गेवरा क्षेत्र का निरीक्षण

कोरबा(विश्व परिवार)। बुधवार को एसईसीएल निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास गेवरा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। दौरे के दौरान उन्होंने क्षेत्र के नेहरू शताब्दी केंद्रीय अस्पताल में चिकित्सा जांच एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास डीएवी स्कूल गए जहां स्कूल प्रबंधन द्वारा दी गयी एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं एवं स्कूल के परीक्षा परिणाम सहित विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा की। निदेशक (कार्मिक) श्री दास ने क्षेत्रीय प्रबंधन से चर्चा करते हुए ह्यूमन-सेंट्रिक एप्रोच के साथ कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ीं सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा हमारे खनिक हमारी कंपनी के आधार स्तम्भ हैं और उनके कल्याण के लिए काम करना हम सभी का दायित्व है।

डेंगू के प्रति जागरूकता बढ़ाने प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

कोरबा(विश्व परिवार)। बारिश के मौसम में जिले में मौसमी बीमारियों में पाँव पसार लिया है। शहरी क्षेत्र में जागरूकता की कमी के कारण डेंगू के लगातार केस मिल रहे हैं। डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 19 सितंबर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के द्वारा डेंगू जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एस. एन. केशरी ने जिले के नागरिकों से अपील किये है कि उपरोक्त सावधानी बरतकर अपने को डेंगू बिमारी से सुरक्षित रख सकते है।

डेंगू बुखार के उपसेक्स लक्षण आने पर चिकित्सक की सलाह से दवाईयी का सेवन करें। इस प्रचार-प्रसार रथ के द्वारा शहरी क्षेत्रों में घूम-घूम कर डेंगू बीमारी के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री पद्माकर शिंदे, षहरी कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती ज्योत्सना ग्वाल तथा अन्यअधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. केशरी ने बताया कि डेंगू एक बीमारी है जो डेंगू वायरस से संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलती है। इस बीमारी केलक्षण जैसे तेज बुखार, मतली और उल्टी, मासपेशियों हड्डियों और जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, पेट में तेज दर्द, मसूड़ों या नाक से खून आना, त्वचा के नीचे रक्त स्त्राव, तेज सांस लेना इत्यादि है। डेंगू लोगों की लापरवाही वा जागरूकता की कमी से फैल रहा है। दरअसल डेंगू फैलाने वाले 'एडिज मच्छर ठहरे हुए साफ पानी में पनपता है जैसे कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन,फ्रिज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन या टायर इत्यादि। उन्होंने कहा कि डेंगू आपके अपने घर से ही फैलता है आप अपने घरों में पानी के भरे हुए बर्तनों व टंकियों आदि को ढंककर रखें। कूलर को खाली करके सुखा दें, यदि कुलर तथा पानी की टंकियों को पूरी तरह खाली कर पाना संभव नहीं है, तो उनमें सप्ताह में एक बार पेट्रोल या मिट्टी का तेल डाल दें।

चिरायु टीम द्वारा स्कूल आंगनबाड़ी का विजिट कर बच्चों का किया जा रहा स्वास्थ्य परीक्षण

कोरबा(विश्व परिवार)। चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, मोतियाबिन्द, कटे-फटे होठ, टेढ़े-मेड़े हाथ पैर सहित 44 गंभीर बिमारियों के इलाज शासन द्वारा कराया जाता है। कोरबा जिले में चिरायु की 12 टीमें कार्य कर रही है। जिनके द्वारा जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों और स्कूल में जाकर अध्ययनरत बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है एवं गंभीर बिमारियों से ग्रसित बच्चों का नि:शुल्क इलाज किया जाता है।स्वास्थ्य विभाग का चिरायु दल बच्चों की स्क्रीनिग कर शासन को रिपोर्ट भेजते है। समय रहते उपचार से मरीज की स्थिती और अधिक नहीं बिगड़ती और साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को इलाज और जाँच में अधिक व्यय नहीं करना पड़ता है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी ने उपरोक्त बीमारियो से ग्रसितबच्चों के अभिभावकों से अपील किए है कि वे अपने बच्चों को दिनांक 19 से 21 सितंबर 2024 तक स्कूल एवं आँगबाड़ी केन्द्र अवश्य भेजें जिससे उनकी जाँच कीजा सके। विकासखण्ड कटघोरा में निर्धारित चिरायु की पहली टीम द्वारा 19 सितंबर को प्राथमिक ष्षाला कुम्मारी, सेमिपाली, भाटापारा, प्राथमिक षाला मोहरियामुड़ा, बुंदेली, चाकाबुड़ा, दुल्हिकछार, 20 सितंबर को सुमेधा, 21 सितंबर को केंदईखार, आगारखार, भेलवाटार, रंजना में, कोरबा विकासखण्ड अंतर्गत चिरायु की टीम द्वारा 19 सितंबर को चाकामार, चचिया, रामपुर, 20 सितंबर को गेरवानी, नवापारा, चचिया, तुलसीनगर, 21 सितंबर को करूमौहा, सर्वमंगलापारा में षिविर लगाया जाएगा।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टीः गौवंशों के संरक्षण के लिए सरकार दे प्रतिवर्ष किसानों को रूपए

कोरबा(विश्व परिवार)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रफीक अहमद आदि ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित कर गौवंश की सुरक्षा-संरक्षण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने कहा है कि शासन की योजना के अनुसार गौवंश की खरीदी, बिक्री, परिवहन, हत्या पर पूर्णत: प्रतिबंध किया गया है जो कि आस्थानुसार एकदम सही कदम है लेकिन किसान गरीब किसान जिनका आजीविका गौवंश पर आधारित है, उनको अपनी आजीविका जो कि अपने पाले हुए गौ की बिक्री कर अपने बच्चों का निवाला, कपड़ा, दवा एवं अन्य जरूरत के कार्यों के लिए रूपयों की पूर्ति होती थी, वह पूरी तरह से बंद हो गई है। इधर गौवंश की जनसंख्या वृद्धि के कारण किसानों का खेती.बाड़ी तिल्हन और दलहन की फसल को चट कर रही है जो कि किसानों को आर्थिक हानि पहुंच रहा है जिससे गरीब और गरीब होता जा रहा है। सरकार के द्वारा गौवंश के संरक्षण की सभी योजनाएं फेल हो गई हैं। इस बात का सबूत है कि गौवंश गोठान की तरह सडकों-मुहल्लों में इक्कट्ठा मिलते हैं जिससे प्रतिदिन दुर्घटना से इंसानों एवं गौवंश की मृत्यु हो रही है। गौवंश के भारी तादाद लावारिस हो जाने के कारण किसानों की जिन्दगी मुश्किलों की जिन्दगी में बदल गयी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विनम्र अपील है कि प्रति गौवंश 50000ई- रूपये एवं रख रखाव संरक्षण के लिए प्रति गौवंश 10,000ई- प्रति वर्ष किसानों को देने की कृपा करेंगे जिससे किसानों को गौवंश के प्रति आदर और सम्मान हो सके।

कलेक्टर ने गोपालपुर में गिरदावरी एवं धनरास में डिजिटल सर्वे कार्य का किया निरीक्षण

त्रुटि रहित गिरदावरी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता- कलेक्टर

धनरास में किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का किया अवलोकन

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कटघोरा विकासखण्ड के गोपालपुर में किए जा रहे गिरदावरी एवं धनरास में डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कटघोरा एसडीएम श्री रोहित कुमार, तहसीलदार सहित राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने गोपालपुर में किसानों के खेतों में किए जा रहे परम्परागत गिरदावरी कार्य का निरीक्षण कर खसरा एवं रकबे में लगाए गए फसल का सत्यापन किया। कलेक्टर ने किसानों द्वारा ली गई फसल के वास्तविक रकबे का खसरा एवं नक्शा से मिलान किया एवं राजस्व अमले से गिरदावरी के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि त्रुटि रहित गिरदावरी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खसरा क्रमांक एवं रकबे में लगाए गए फसल का सही-सही जानकारी दर्ज करें तथा ऑनलाईन प्रविष्टि भी सावधानीपूर्वक करें। साथ ही गिरदावरी करते समय फसल सिंचित, असिंचित एवं विशेषकर खेतों में पाए गए वृक्षों का खसरा पाचशाला में दर्ज करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने धनरास में कृषक बृजपाल के खेत में सर्वेयर द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का भी निरीक्षण किया। डिजिटल क्रॉप सर्वे की उपयोगिता के बारे में स्थानीय सर्वेयर एवं किसानों द्वारा बताया गया कि इससे त्रुटि रहित गिरदावरी हो रही है। साथ ही यह भविष्य में सीमांकन में भी उपयोगी होगा। गौरतलब है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे शासन की बहुआयामी योजना है। सॉफ्टवेयर के माध्यम से सर्वे गिरदावरी कार्य आसान बनाया गया है। जिले के दर्री तहसील के 13 ग्रामों में डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रारंभ हो गया है। जहां जियो रिफ्रेंसिंग कार्य पूर्ण किया गया है। सभी खसरों का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जाना है।

कलेक्टर ने पाली के मुनगाडीह में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं का किया निरीक्षण

सभी संस्थाओ में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु दिए आवश्यक निर्देश

संस्थाओं में किचन शेड, अतिरिक्त भवन व अन्य मरम्मत कार्यो के लिए प्रस्ताव भेजने हेतु किया निर्देशित

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने पाली विकासखण्ड के मुनगाडीह में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, शासकीय माध्यमिक शाला एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी संस्थाओ में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम पाली सुश्री सीमा पात्रे उपस्थित थी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम मुनगाडीह के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बालिकाओं की उपस्थिति, भोजन व्यवस्था, आवास व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं नियमित रूप से सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्र में एक नया किचन शेड, कॉरिडोर में टाइल्स लगाने एवं छत की मरम्मत कराने हेतु आरईएस को प्राक्कलन प्रस्तुत करने के लिए कहा। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की बालिकाओं द्वारा निर्मित किए गए कलाकृतियों का अवलोकन कर उनका मनोबल बढ़ाया। इसी प्रकार शासकीय माध्यमिक शाला मुनगाडीह पंहुचकर कलेक्टर ने विद्यालय में मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय में एक अतिरिक्त कक्ष व किचन शेड निर्माण के लिए आरईएस को प्राक्कलन तैयार करने की बात कही। स्वामी आत्मानंद विद्यालय मुनगाडीह का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने शाला के विभिन्न कक्षाओं, प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब सहित पूरे परिसर का अवलोकन करते हुए बच्चों को मिल रही शिक्षा सुविधा का जायजा लिया। उन्होंने कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई एवं कैरियर के संबंध में आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को देश के बड़े विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि जिले के शासकीय विद्यालय से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग या देश के प्रतिष्ठित विश्विद्यालयों में अध्ययन हेतु चयनित होने पर उनका शिक्षण शुल्क का वहन जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफमद से किया जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 21 सितंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

राहुल की बातें मजाक की नहीं,चिंता का विषय

एस. सुनील

पहली बात आरक्षण के संदर्भ में हैं। उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेंगे, जब भारत एक भेदभावरहित जगह बन जाएगा'। दूसरी बात, सिखों को लेकर है। राहुल ने कहा, भारत में सिख डरने लगे हैं कि उनको पगड़ी और कड़ा पहनने दिया जाएगा या नहीं'। इन दो बातों के अलावा विवाद का तीसरा मुद्दा उनकी मुलाकात है। वे अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मिले, जिसमें इल्हान उमर भी शामिल थीं, जिनका भारत विरोध जगजाहिर है। कांग्रेस पार्टी के सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर पिछले दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमति स्मृति ईरानी ने एक बहुत पते की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि, राहुल गांधी जो कहते हैं, हम भले उसे बचकाना मानें या हंसी उड़ाएं लेकिन वे अलग तरह की राजनीति कर रहे होते हैं'। उनके कहने का मतलब था कि राहुल की बातें सुनने में बचकानी या बेसिरपैर की लग सकती हैं लेकिन वे किसी न किसी राजनीतिक मकसद से अपनी बातें कहते हैं। वह उनके, उनकी पार्टी के और व्यापक गठबंधन की वृहत्तर राजनीति को साधने के लिए कही गई बात होती है। इसलिए उनकी बातों को और जिस संदर्भ में वे अपनी बात कहते हैं उसको गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उनकी बातें मजाक की नहीं, बल्कि चिंता का विषय हैं। तीन दिन की अपनी अमेरिका यात्रा में वे जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी गए और नेशनल प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने जो बातें कहीं या इनसे अलग जिन लोगों से बेहद आत्मीय मुलाकात की है उसको पूरे संदर्भ के साथ देखेंगे तो एक बड़े खतरे का आभास होगा। इससे कांग्रेस और पूरे विपक्ष की मानसिकता समझ में आएगी और उनकी विभाजनकारी राजनीति की वास्तविक तस्वीर भी दिखेगी। अमेरिका यात्रा में राहुल की दो बातें और एक मुलाकात विवाद के केंद्र में हैं। पहली बात आरक्षण के संदर्भ में हैं। उन्होंने कहा, हम आरक्षण खत्म करने के बारे में तभी सोचेंगे, जब भारत एक भेदभावरहित जगह बन जाएगा'। दूसरी बात, सिखों को लेकर है। राहुल ने कहा, भारत में सिख डरने लगे हैं कि उनको पगड़ी और कड़ा पहनने दिया जाएगा या नहीं'। इन दो बातों के अलावा विवाद का तीसरा मुद्दा उनकी मुलाकात है। वे अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल से मिले, जिसमें इल्हान उमर भी शामिल थीं, जिनका भारत विरोध जगजाहिर है। राहुल और विपक्ष के राजनीतिक डिजाइन को समझने के लिए शुरुआत उनकी पहली बात से करते हैं। आरक्षण समाप्त करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत में अभी बहुत भेदभाव और असमानता है, जब सबके लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे यानी असमानता खत्म हो जाएगी तभी आरक्षण खत्म होगा। इस बात के दो पहलू हैं। एक पहलू को लेकर सबसे पहले बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने राहुल पर हमला किया।उन्होंने कहा कि यह आरक्षण खत्म करने की साजिश का खुलासा है। बाद में दूसरी पार्टियों ने भी यह चिंता जताई और कहा कि कांग्रेस की आरक्षण विरोधी मानसिकता जाहिर हो गई। कहने की जरुरत नहीं है कि आजादी के बाद से कांग्रेस हमेशा आरक्षण विरोधी रही है। उसके शासन में काका कालेलकर आयोग बना था, जिसकी सिफारिशें उसने नहीं लागू कीं और बीपी मंडल की अध्यक्षता में बनी मंडल आयोग की रिपोर्ट भी इंदिरा और राजीव गांधी ने 10 साल तक बक्से में बंद रहने दी थी। अब राहुल गांधी अचानक जाति जनगणना और आरक्षण के चैम्पियन बनने लगे हैं। लेकिन अमेरिका में उनकी बातों से उनकी पार्टी का छिपा हुआ एजेंडा जाहिर हो गया। आरक्षण पर दिए उनके बयान का दूसरा पहलू यह था कि भारत एक फेयर प्लेस' नहीं है। यहां भेदभाव होता है और समानता नहीं है। क्या यह भारत के समाज को बांटने वाली बात नहीं है? क्या राहुल गांधी भारत के संविधान को नहीं मानते हैं? भारत का संविधान नागरिकों के बीच समानता के सिद्धांत पर आधारित है। वह हर नागरिक को अवसर की समानता का अधिकार देता है। इसी सिद्धांत में अपवाद बना कर एफर्मेटिव एक्शन' लिए गए हैं यानी आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। इसके बावजूद अगर किसी स्तर पर असमानता है तो उसके लिए दोषी कौन है? क्या 60 साल तक राज करने वाली कांग्रेस पर इसकी जवाबदेही नहीं आती है? अगर कहीं असमानता है तो क्या राहुल गांधी के पूर्वजों की गलत नीतियों की वजह से नहीं है? और क्या यह सचाई नहीं है कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश में हर किस्म की असमानता मिटाने और सभी जातीय, धार्मिक व आर्थिक समूह के लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम किया है? परंतु राहुल गांधी को भारत का अपमान करना था। भारत के बारे में बुरी बातें कहनी थीं। वे समझते हैं कि इससे वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा का अपमान कर रहे हैं, लेकिन असल में वे भारत का अपमान करते हैं। पहले वे एक सांसद के नाते विदेश जाते थे और इस तरह की बातें करते थे परंतु इस बार तो वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नाते विदेश गए थे। वे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति हैं और देश के राजदूत के रूप में उनका आचरण होना चाहिए था। लेकिन अफसोस की बात है कि वे अपने छोटे छोटे राजनीतिक पूर्वाग्रहों से ऊपर नहीं उठ सके। उनकी दूसरी बात और भी खतरनाक थी। उन्होंने सिखों के मन में डर पैदा हो जाने की बात कही। यह बात कितनी खतरनाक है इसका अंदाजा इससे लगता है कि सिख फॉर जस्टिस' नाम से संगठन बनाने वाले अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उनकी बात का समर्थन किया। राहुल की इस बात से पहले सवाल तो यही उठता है कि क्या नैतिक रूप वे ऐसी स्थिति में हैं कि इस तरह के बयान दे सकें? उनकी दादी इंदिरा गांधी की सरकार ने ऑपरेशन ब्लूस्टार के रूप में सिखों को सबसे बड़ा घाव दिया था और उनके पिता राजीव गांधी की सरकार के समय दिल्ली में सिखों का नरसंहार हुआ था। उनकी पार्टी के ही नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पिछले दिनों राहुल के बचाव में उतरे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय सिखों के सबसे पवित्र स्वर्ण मंदिर पर हमला' हुआ था। यह भी सबको पता है कि सिख नरसंहार के समय उसको न्यायसंगत ठहराते हुए राजीव गांधी ने कहा था कि बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। सिखों के प्रति इस तरह का भाव रखने वाले लोग विदेश जाकर उनके लिए घडियाली आंसू बहा रहे हैं, इससे बड़ी विडम्बना क्या हो सकती है! लेकिन इस बयान के लिए राहुल की बुद्धि पर अफसोस करने की बजाय यह समझने की जरुरत है कि उन्होंने ऐसा विभाजनकारी बयान क्यों दिया? उनका बयान खालिस्तान की मांग करने वाले अलगाववादियों के तुष्टिकरण वाला है। यह बहुत खतरनाक बयान है। ध्यान रहे पंजाब में 2017 के चुनाव के समय आम आदमी पार्टी पर अलगाववादियों से मिलीभगत के आरोप लगे थे। बाद में 2022 में कट्टरपंथी ताकतों के समर्थन से आप ने कांग्रेस को हरा कर पंजाब में सरकार बना ली। तभी ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी आप से ज्यादा कट्टरपंथी राजनीति कर रहे हैं ताकि पंजाब में सत्ता हासिल की जा सके। इसके लिए वे देश की एकता, अखंडता को दांव पर लगाने के लिए भी तैयार हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली विदेश यात्रा पर गए राहुल गांधी ने वॉशिंगटन में रेबर्न हाउस में अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसमें अमेरिका की विवादित कांग्रेस सदस्य इल्हान उमर भी शामिल थीं।

यूपीआई भुगतान का चलन

क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि यूपीआई एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? अगर वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा। यूपीआई के जरिए दो हजार रुपये से कम के भुगतान पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का प्रस्ताव फिलहाल टल गया है। सोमवार को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस पर सहमति नहीं बनी, इसलिए इसे विचार के लिए फिटमेंट कमेटी को भेज दिया गया है। अब कमेटी बताएगी कि यूपीआई पेमेंट पर टैक्स लगाने के क्या प्रभाव होंगे। प्रस्ताव यह है कि ऐसे हर भुगतान पर पेमेंट एग्रीगेटर को (यानी जिस ऐप के जरिए भुगतान किया गया हो), 18 प्रतिशत जीएसटी देना होगा। ये आशंका ठोस है कि ये एग्रीगेटर खुद पर पडने् वाले टैक्स के बोझ के कारण सेवा को महंगा बना देंगे। अंततः यूपीआई के जरिए 2000 रुपये से कम का भुगतान अभी की तरह बिना लागत के नहीं रह जाएगा। मुद्दा है कि क्या सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि एग्रीगेटर अपना बोझ यूजर्स पर ट्रांसफर ना करें? वह ऐसा नहीं कर सकती, तो उसका मतलब छोटे ऑनलाइन भुगतान को हतोत्साहित करना समझा जाएगा। यह निर्विविद है कि यूपीआई भुगतान का चलन बढने् से आम जन की जिंदगी आसान हुई है। इससे हाट-बाजार में लोगों को खुल्हे पैसा संबंधी दिक्कतों से राहत मिली है। आज एक रुपया से लेकर बड़े-बड़े भुगतान के लिए लोग यूपीआई का सहारा ले रहे हैं। आंकड़ा यह है कि कुल पेमेंट में लगभग 80 फीसदी भुगतान 2000 रुपये से कम के होते हैं। आशंका है कि सरकार की नई मंशा से लोगों के लिए ऐसे भुगतान करना महंगा हो जाएगा। इस तरह बाजार में नकदी का चलन बढ़ेगा, जिसे घटाना सरकार का घोषित उद्देश्य रहा है। इसलिए बेहिचक कहा जा सकता है कि छोटे यूपीआई भुगतानों पर जीएसटी लगाना गलत सोच पर आधारित प्रस्ताव है। फिटमेंट कमेटी को इसे सिरे से ठुकरा देना चाहिए। यह अच्छी बात है कि जीएसटी काउंसिल ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी घटा दिया गया है। साथ ही जीवन बीमा और मेडिकल बीमा पॉलिसियों पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी पर पुनर्विचार की जिम्मेदारी एक समिति को सौंपी गई है। ये टैक्स भी गलत सोच पर आधारित हैं। बुनियादी रूप से इन चीजों पर टैक्स होना ही नहीं चाहिए।

आलेख

सुरक्षा और विकास के मोर्चे पर छत्तीसगढ़ सरकार ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों के हित में ठोस कदम उठा रही है। दूरस्थ और पिछड़े वनांचल इलाकों में मूलभूत सुविधाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के अलावा बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का काम तेजी से हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसी कई योजनाएं शुरू की हैं जिनके जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव से जन-जीवन जीवन बदल रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर नियद नेल्लानार योजना से आज आदिवासी परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण आई है। इस योजना में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के गांवों का चयन कर शासन के 12 विभागों की 32 कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधनों का विकास किया जा रहा। दूरस्थ आदिवासी इलाकों से अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री साय की पहल पर भारत सरकार ने हरी झंडी दे दी है। सडकों के विकास को लेकर भी लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे आदिवासी अंचलों तक आवाजाही आसान हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन देने का निर्णय भी लिया, जिसका लाभ बड़ी मात्रा में आदिवासी अंचलों के जरूरतमंद रहवासियों को मिल रहा है। तेंदूपत्ता वनवासियों की आजीविका का मजबूत स्रोत है, इससे होने वाली आमदनी को बढ़ाते हुए सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया, जिसका लाभ चालू तेंदूपत्ता सीजन से ही 12 लाख 50 हजार से अधिक संग्राहकों को मिल रहा है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही चरण पादुका योजना भी शुरू करने जा रही है, इसके साथ ही उन्हें बोनस का लाभ भी दिया जाएगा। सुरक्षा और विकास के दोहरे मोर्चे पर काम करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज अनुपात के हिसाब से छत्तीसगढ़ का बस्तर देश में सबसे सैन्य संवेदनशील क्षेत्र बन चुका है, बस्तर डिवीजन में प्रत्येक 9 नागरिकों के पीछे एक पैरामिलिट्री का जवान है। जल्द ही इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के 250 से ज्यादा कैम्प और नियद नेल्लानार से 58 नए कैम्प स्थापित होंगे ताकि सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का दायरा बढ़ सके। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में आदिवासी संस्कृति और परम्पराओं को आगे बढ़ाने के लिए बस्तर में प्राचीन काल से चले आ रहे अनेक ऐतिहासिक मेलों को भी शासकीय संरक्षण और आर्थिक सहायता दी जा रही है। दूरस्थ आदिवासी इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के सरकार के मजबूत प्रयास से देश के दूसरे सबसे कम साक्षर जिले बीजापुर में नए भविष्य की बुनियाद गढ़ी जा रही है। बीजापुर जिले में माओवादियों द्वारा बंद 28 स्कूल अब मुख्यमंत्री साय की पहल से खुल गए हैं। स्थानीय बोलियों को सहेजने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासी अंचलों में स्थानीय बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय नई शिक्षा नीति के तहत आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिसमें 18 स्थानीय भाषा-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंड़ी और कुडुख में पाठ्यपुस्तक तैयार होंगे। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी युवाओं के सुनहरे भविष्य की नींव भी मजबूत कर रही है, इसी क्रम में नई दिल्ली के ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर अब 185 कर दी गई है। इस निर्णय से देश राजधानी में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा की तैयारी करने के इच्छुक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अब इस हॉस्टल में तीन गुने से भी अधिक सीटें उपलब्ध होंगी। इसी तरह आईआईटी की तर्ज पर राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण मिलेगा।

आसान नहीं होगा जीएम पर नीति बनाना

डा. अश्विनी महाजन

यह बहुत खेद की बात है कि जीएम सरसों के शाकनाशी सहनशील होने के तथ्य को शुरू में छुपाया गया था। यह ध्यान देने योग्य है कि डीएमएच 11 का परीक्षण करते समय, इसकी शाकनाशी सहिष्णुता के बारे में कोई परीक्षण नहीं किया गया था हाल ही में, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सरसों की व्यावसायिक खेती के संबंध में एक विभाजित निर्णय दिया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अनुमोदन प्रक्रिया में खामियों और पर्यावरण तथा स्वास्थ्य प्रभावों पर पर्याप्त विचार की कमी का हवाला देते हुए जीएम सरसों की व्यावसायिक बिक्री और पर्यावरण रिलीज के खिलाफ फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति करोल ने फील्ड ट्रायल जारी रखने का समर्थन किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सख्त सुरक्षा उपायों के साथ आगे बढना् चाहिए। जीएम फसलों की व्यावसायिक खेती के संबंध में यह मामला (सुमन सहाय और अरुणा रोड्रिग्स और अन्य बनाम भारत सरकार एवं अन्य) वर्ष 2004 से भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, लेकिन जीएम फसलों के पैरोकार जीएमओ की व्यावसायिक रिलीज के लिए अदालत की मंजूरी अभी तक नहीं ले पाए। इस मामले से एक नहीं, बल्कि कई विवादास्पद मुद्दे जुड़े हैं, जिन पर अदालत इतने लंबे समय से निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई है। 23 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया विभाजित निर्णय एक बार फिर इस मामले की जटिलताओं को दर्शाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह इस नीति को तैयार करने के लिए 4 महीने के भीतर सभी हितधारकों और विशेषज्ञों से परामर्श करे। साथ ही पीठ ने मामले को उचित पीठ द्वारा आगे के निर्णय के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है। हालांकि न्यायालय ने सरकार को विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ परामर्श के बाद 4 महीने के भीतर जीएम पर एक नीति तैयार करने का निर्देश दिया है। किसी भी तरह से, एक ऐसा मुद्दा जिसने देश और दुनिया में पिछले 25 साल से भी अधिक समय से भारी बहस और गर्माहट पैदा की है, जहां विशेषज्ञ विभाजित हैं, लोग न केवल चिंतित हैं, बल्कि जीएम के दुष्प्रभावों के कारण डरे हुए हैं, जहां एक मजबूत नियामक तंत्र का पूर्ण अभाव है, जहां सर्वोच्च न्यायालय स्वयं नियामक तंत्र की कमी के कारण इस जीएम के पक्ष में निर्णय देने के लिए तैयार नहीं है, जीएमओ के मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सुरक्षित होने के भी सबूत नहीं हैं, जहां कई देशों ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की चिंताओं के कारण पहले ही जीएम फसलों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, यह बहुत कम संभावना है कि सरकार हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ परामर्श के बाद 4 महीने में जीएम पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य पूरा कर पाएगी। यह पहली बार नहीं है कि जीएम फसलों के लिए परामर्श तंत्र अपनाया जा रहा है। इससे पहले, यूपीए सरकार के दौरान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक विमोचन के संबंध में तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्री जयराम रमेश के साथ सार्वजनिक सुनवाई हुई थी। यह ध्यान देने योग्य है कि इन सार्वजनिक सुनवाई के अंत में, मंत्री जयराम रमेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बीटी बैंगन के वाणिज्यिक रिलीज पर रोक लगा दी थी। क्या हो परामर्श की उचित संरचना : जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को हितधारकों और विशेषज्ञों के परामर्श आयोजित करने का निर्देश दिया है, महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इन परामर्शों की संरचना क्या हो सकती है। ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर ये परामर्श हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की तकनीकी विशेषज्ञ समिति द्वारा कई विवादास्पद मुद्दों को लंबे समय से सूचीबद्ध किया गया है, जो परामर्श प्रक्रिया का आधार बन सकते हैं, और निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद कर सकते हैं। सबसे पहला मुद्दा, जिस पर विशेषज्ञों के बीच आम सहमति का अभाव है, वह जीएम फसलों की उच्च उत्पादकता का दावा है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार और जीएम समर्थकों का तर्क यह है कि देश बड़ी मात्रा में खाद्य तेलों का आयात कर रहा है, जिनमें से अधिकांश जीएम तेल हैं। सरकार का दावा है कि डीएमएच 11 को अपनाने से आयात पर निर्भरता कम करने और डीएमएच 11 की अधिक उत्पादकता के कारण किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है। लेकिन जबकि डीएमएच 11 के डेवलपर (अनुसंधानकर्ता) के अनुसार भी इसकी उत्पादकता 2200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक नहीं है, देश में सरसों की कई अन्य संकर किस्मों की अपेक्षित उपज 2500 किलोग्राम से 4000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक है। भारतीय सरसों और रेपसीड संस्थान के पूर्व निदेशक डा. धीरज सिंह के एक शोध पत्र के अनुसार, राजस्थान में किसानों द्वारा उगाई गई किस्मों आरएस 1706, आरएच 1424 और आरएच 725 की उत्पादकता (जैसा कि सरकार ने खुद घोषित किया है), क्रमशः 2613 किलोग्राम, 2604 किलोग्राम, 2642 किलोग्राम है। विवाद का दूसरा मुद्दा बौद्धिक संपदा अधिकारों का है। किसान संगठनों को चिंता है कि एक बार जीएमओ अपनाने के बाद, बीज पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का एकाधिकार हो जाएगा और किसानों पर बीजों पर रॉयल्टी के रूप में बोझ बढ़ जाएगा। उनकी आशंकाएं बेवजह नहीं हैं। हम देखते हैं कि किसानों को असफल बीटी कपास के बीज के लिए भी बहुत अधिक कीमत (लगभग 8000 करोड़ रुपए) चुकानी पड़ी, क्योंकि बीटी कपास के बीज की कीमत का एक बड़ा हिस्सा विशेषता शुल्क था। वर्तमान डीएमएच 11 बीज को हालांकि स्वदेशी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। उसमें भी बायर कंपनी की प्रौद्योगिकी के कुछ गुणों का उपयोग किया गया है, जिसके कारण बौद्धिक संपदा का विषय किसान हितों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर उनका प्रभाव है।

लाहौर और सियालकोट के विजेताओं को भूला राष्ट्र

प्रताप सिंह पटियाल

मायानगरी के अदाकार लाहौर की 'हीरामंडी' पर फिल्में जरूर बनाते हैं, मगर 1965 की जंग में लाहौर के बुर्की, डोगराई, बाटापुरा व सियालकोट तथा हाजीपीर क्षेत्रों पर कब्जा करके पाकिस्तान का भूगोल तब्दील करने वाले शूरवीरों को राष्ट्र भूल चुका है। इन शूरवीरों को सम्मानित किया जाना चाहिए पाकिस्तान का कश्मीर हथियाने का मंसूबा 'गुलमर्ग' भारतीय सेना ने 1948 में नाकाम कर दिया था। मगर कश्मीर हड़पने के लिए पाकिस्तान ने 1950 के दशक में दोबारा तैयारी शुरू कर दी थी। पाक वजीरे आजम 'मोहम्मद अली बोगरा' तथा अमरीकी राष्ट्रपति 'डेविड डी आइजनहावर' के बीच मई 1954 में समझौता हुआ तथा अमरीका ने पाक सेना को युद्धपोतों, सेबर जेट, पैटन टैंकों तथा आर्टिलरी की तोपों जैसे भारी हथियारों से लैस कर दिया था। पाक हुक्मरानों ने उस एहसान के बदले अमरीकी राष्ट्रपति आइजनहावर को दिसंबर 1957 में अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-पाकिस्तान' से सरफराज कर दिया था। दो विश्व युद्धों में अपना सैन्य किरदार अदा करने वाले डेविड आइजनहावर खुद एक सैनिक तथा सन् 1945-48 तक अमरीकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ भी रहे थे। सन् 1956 के दौर में पाक वजीरे आजम 'हुसैन शहीद सुहरावर्दी' व सदर 'इस्कंदर मिर्जा' चीन के साथ अपने संबंध मजबूत कर चुके थे। चीन से करोड़ों की जकात तथा अमरीका से खैरात में मिले हथियारों के बल पर पाक जरनैल 'अयूब खान' पाकिस्तान की तारीख में अपना नाम कश्मीर के फातिम के रूप में दर्ज कराने का ख्वाब देखने लगे थे। आखिर 27 अक्तूबर 1958 को पाक सदर 'इस्कंदर मिर्जा' को 'ऐवान-ए-सद्र' से बेदखल करके अयूब खान खुद पाक सदर के ओहदे पर काबिज हो गए तथा 'मुसा खान' को पाक सेना का 'कमांडर इन चीफ' नियुक्त कर दिया। नतीजतन भारत के खिलाफ मुनज्जम मंसूबों का दौर शुरू हो चुका था। पाक सेना ने अप्रैल 1965 को 'कच्छ' के रण में भारतीय चौकियों पर हमला कर दिया था। भारतीय सेना ने हमले का माकूल जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र के दखल के बाद जून 1965 तक युद्धविराम हुआ। अगस्त 1965 के शुरुआती दौर में पाक सेना ने जम्मू-कश्मीर में 'आपरेशन जिब्राल्टर' नामक साजिश को अंजाम दिया था। लेकिन भारतीय सेना ने 28 अगस्त 1965 को पाकिस्तान के 'हाजीपीर' क्षेत्र पर तिरंगा फहराकर जिब्राल्टर साजिश को ध्वस्त कर दिया था। हाजीपीर पर भारत का कब्जा होने से जलील होकर जरनल 'अख्तर हुसैन मलिक' की कयादत में पाक सेना की 12वीं डिवीजन ने भारी टैंकों से लैस होकर एक सितंबर 1965 को जम्मू के अखनूर सेक्टर पर हमला कर दिया था। भारतीय थलसेना तथा वायुसेना ने पलटवार करके उस हमले को नाकाम कर दिया था। इससे पहले कि पाक सेना किसी अन्य साजिश को अंजाम देती, भारतीय सेना ने फिरोजपुर, गुरदासपुर व अमृतसर का महाज खोलकर छह सितंबर 1965 को अंतरराष्ट्रीय सरहद पार करके पाकिस्तान पर जोरदार हमला करके पाक सेना के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। लाहौर पर पेशकदमी के दौरान भारतीय सेना की 'सात पंजाब रेजिमेंट' के जवानों ने दस सितंबर 1965 को इच्छोगिल नहर, रानियां व कक्कड़ आदि क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। दुश्मन की भारी गोलीबारी के बीच 'इच्छोगिल नहर' पर कब्जा करने के दौरान अदम्य साहस के लिए हिमाचल प्रदेश के कर्नल 'भीखम सिंह' 'सात पंजाब' को सेना ने 'वीर चक्र' से अलंकृत किया था। भारतीय सेना की 'तीन जाट', '15 डोगरा' व '13 पंजाब' तीनों यूनिटों ने 21 सितंबर 1965 की रात को लाहौर के नजदीक 'डोगराई' कस्बे पर जोरदार हमले को अंजाम दिया था। बम, बंदूक व संगीनों की उस खौफनाक जंग में 'तीन जाट' के जवानों ने दुश्मन के छह टैंकों को ध्वस्त करके पाकिस्तान की '16 पंजाब' के तीन सौ से अधिक सैनिकों की लाशें बिछाकर उनके कर्नल 'जेएफ गोलवाला' सहित 108 पाक सैनिकों को हिरासत में ले लिया था। इतिहास की सबसे खूनी लड़ाइयों में शुमार डोगराई की उस जंग में पाकिस्तान की 16 पंजाब बटालियन का वजूद मिटाकर तीन जाट के लगभग अस्सी जवान बलिदान हो गए थे। जंग में दास्तान-ए-सुजात के लिए मेजर 'आसाराम त्यागी' व कैप्टन 'कपिल सिंह थापा' को 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा गया था। यूनिट के कर्नल 'डेसमंड हेड' को भी महावीर चक्र तथा चार जवानों को 'वीर चक्र' से अलंकृत किया गया था। पाक फौज के पांव उखाडने् वाली 'तीन जाट', '15 डोगरा' व '13 पंजाब' तीनों बटालियन 'बैटल ऑनर' 'डोगराई' से अलंकृत हैं। 1965 में लाहौर सेक्टर पर भारत के शदीद हमले में अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए पाकिस्तान छह सितंबर को 'यौम-ए-दिफा' यान 'रक्षा दिवस' मनाता है। इस मौके पर कराची के 'मजार-ए-कायद' व 'यादगार-ए-शुहादा' पर पाक सेना अपने मरहूम सैनिकों को 'खिराज-ए-तहसीन' पेश करके 1965 जंग की शर्मनाक शिकस्त के बदनुमां दाग छिपाने की कोशिश करती है। मगर हकीकत में भारतीय सेना के खौफनाक हमलों से पाक फौज भागने पर मजबूर हो चुकी थी। हालात इस कदर बेकाबू थे कि पाक सदर अयूब खान तथा सिपहसालार मूसा खान को पाक फौज का मनोबल बढ़ाने के लिए पाक गुलुकारा 'मल्लिका-ए-तरन्नुम' 'नूरजहां' से वतन परस्ती के नगमें गाने की गुजारिश करनी पड़ी थी। दस दिसंबर 1965 को ईरान व टर्की ने संयुक्त राष्ट्र में भारत से जंग रोकने की गुजारिश की।

संक्षिप्त समाचार

परमात्मा को मानने से पहले परमात्मा को जानना जरूरी है: संत एच.एस. चांवला

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। गोबरा नवापारा के सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सत्संग का आयोजन किया गया।

जिसमें लुधियाना (पंजाब) से आये संत एच.एस. चांवला ने निरंकारी विचार-धाराओं पर प्रकाश डालते हुए जन-जन को संदेश दिया कि परमात्मा को मानने से पहले परमात्मा को जानना जरूरी है उन्होनें बताया कि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य रमे हुए राम की जानकारी लेकर जीवन को जन्म और मृत्यु के चक से मुक्त करना है। और यह भी बतलाया कि जिस परमात्मा को हम याद करतें हैं। ये हमारे अन्तर्मन की अवस्था को जानते हुए भी हमें गले लगाा रहा है, हिदायत भी दी गई है कि रब के घर आकर रब को मांगो, जग को ना मागो उन्होनें समझाया कि जो व्यक्ति ईश्वर ओर अच्छाई को साथ लेकर चलता है, उसे जीवन में कठिनाई नहीं होती। उन्होनें जीवन के उद्देश्य को समझाने के लिए उदाहरण दिया कि जैसे परीक्षा में समय सीमित होता है, वैसे ही जीवन का समय भी सीमित है। इससे पहले कि जीवन का समय पूरा हो, हमें जीवन के उद्देश्य को समझना चाहिए और सत्गुरू की शरण में जाना चाहिए। संत एच.एस. चावंला ने जीवन के उद्देश्य को सहज और सरल व्याख्यानों से समझाया। कार्यक्रम के सयोजक गांधी सचदेव ने सत्संग में आये सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया और सत्संग सं हाने वाले लाभ की चर्चा अपनें विचारों में की।

एनसीसी कैडेट बादल का भ्रमण कर लोक-संस्कृति, लोक परंपराओं एवं लोक-साहित्य से हुए अवगत

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर एकेडमी ऑफ डान्स, आर्ट एण्ड लिटरेचर (बादल) में शासकीय कन्या शिक्षा उच्चतर विद्यालय परचनपाल में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित एनसीसी कैडेटों ने विगत दिवस बादल का भ्रमण किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बादल स्टाफ द्वारा बस्तर के वीर शहीदों के जीवनी संक्षिप्त में बताकर उन्हें बादल के उद्देश्य के बारे में बताया गया। जिसमें लोक-संस्कृति, लोक परंपराओं, लोक-साहित्य, लोक शिल्प, आदिम संस्कृति के बारे में तथा बादल आसना में संचालित संगीत कक्षाओं की जानकारी भी एनसीसी कैडेटों को प्रदान की गई।

23 सितंबर से रोजगार मेला सह प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद स्तर पर सिक्योरिटी गार्ड के प्रशिक्षण नियोजन हेतु खण्ड स्तरीय रोजगार मेला सह प्लेसमेंट कैंप का आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत तोकापाल जनपद पंचायत में 23 सितम्बर, लोहण्डीगुड़ा जनपद पंचायत में 24 सितम्बर, बकावण्ड जनपद पंचायत में 25 सितम्बर, बास्तानार जनपद पंचायत में 26 सितम्बर, दरभा जनपद पंचायत में 27 सितम्बर, बस्तर जनपद पंचायत में 30 सितम्बर और जगदलपुर जनपद पंचायत में 01 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे से शाम 5 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त रोजगार मेला सह प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के ईच्छुक युवा नियत तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

गुण्डाधूर और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान हेतु आवेदन 25 सितंबर 2024 तक

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य के सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ियों से गुण्डाधूर और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान वर्ष 2024-25 हेतु 25 सितम्बर, 2024 तक आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए गए हैं। खिलाड़ियों के निर्धारित प्रपत्र में आवेदन एवं अनुशंसा, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, जी.ई. रोड, रायपुर अथवा खेल एवं युवा कल्याण के जिला कार्यालयों में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत किया जा सकता है। गुण्डाधूर सम्मान और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान के लिए चयनित खिलाड़ियों को एक-एक लाख रूपए नगद, अलंकरण फलक, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इन दोनों की सम्मान के लिए सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय चौम्पियनशिप या राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेते हुए स्वर्ण पदक या रजत पदक या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी सम्मान के लिए पात्र होंगे।

उन्नति का सोपान, संयम-धर्म महान : दिगम्बर जैनाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव

नांदणी (विश्व परिवार)। श्रावक संयम संस्कार शिविर में, दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने नांदणी मठ संबोधन करते हुए कहा कि मनुष्य-भव, उच्च-कुल, विवेक, बुद्धि, निरोगता, आत्म-कल्याण की भावना, सद्गुरु सदोपदेश, संयम धारण, आत्मोन्मुखी दृष्टि जीवन में बहुत सुलभ है। समुद्र में पडा रत्न पुन: मिलना सम्भव हैं, परन्तु पुन: नर तन मिलना अत्यंत कठिन है। स्वर्ग के देव भी मनुष्य पर्याय प्राप्त करने के लिए तरसते हैं। मनुष्य-भव मिलना बहुत दुर्लभ है।

जैसे वाहन में ब्रेक, नदि में तट, गाड़ी में नट, सागर में सीमा, अश्व में लगाम, हाथी को अंकुश ऊंट में नकील, घर में द्वार, खेत में बाढ़ की, जेब में नोट की, पेट में भोजन की, चुनाव में वोट की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार जीवन में संयम की आवश्यकता होती है। संयम में सुख है, संयम में आनंद है। संयम में शान्ति है। संयमी का यश लोक-अलोक में फैलता है।

राग ही द्वेष को जन्म देता है। राग आग है, राग पाप का मूल है। राग अंधा है। राग विनाशकारी है। राग अनर्थ की जड़ है। राग कष्टकारी है। पर- से राग और द्वेष ही संसार भ्रमण का कारण है। असंयम राग से ही प्रारम्भ होता है। राग की एक कणिका साधक की सम्पूर्ण-साधना को क्षण भर में नष्ट कर देती है।

असंयमित जीवन बिना ब्रेक की गाड़ी के समान खतरनाक है। असंयम से शरीर की शक्ति नष्ट होती है, बुद्धि का ह्रास होता है, सुन्दरता नष्ट होती है, रुग्नता बढ़ती है, अपयश होता है। पुण्य घटता है, पाप बढ़ता है। संयम सुख का रास्ता है। संयमी का यश बढ़ता है, संयमी स्वस्थ एवं सुन्दर रहता है, संयमी सर्वत्र सम्मान को प्राप्त करता है। संयमी क्षण मात्र में सिद्धियाँ प्राप्त कर लेता है। प्राणियों की रक्षा करना प्राणी संयम है, इन्द्रियों के भोगों से विरक्त होना इन्द्रिय-संयम है। संयम सुखद है। संयम मुक्ति का साधन है। संयमी की सर्वोन्नति होती है। संयम सज्जनों का श्रृंगार है। संयम सज्जनों की कुल-परम्परा है। असंयम छोड़ो, संयम धारण करो।

-अभिषेक अशोक पाटील

आज मोहता भवन में इंदौर के चिकित्सकों के साथ परिचर्चा एवं शंका समाधान

इंदौर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज के शिष्य एवं शंकासमाधान के माध्यम से लोगों के जीवन में प्रकाश लाने बाले मुनि श्री प्रमाण सागर जी स संघ सानिध्य में इंदौर तथा इंदोर के आसपास के समस्त चिकित्सकों का सम्मेलन एवं शंका समाधान कार्यक्रम मोहताभवन रैसकोर्स रोड़ पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी चिकित्सक बंधु सादर आमंत्रित है।

धर्म प्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने बताया चिकित्सक चिकित्सा और धर्मपर विशेष रुप से चर्चा होगी धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा महामंत्री हर्ष जैन, आनंद गोधा सहित समस्त पदाधिकारियों ने सभी चिकित्सक बंधुओं से शामिल होंने की अपील की है। प्रात:कालीन प्रवचन सभा में मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने कहा धर्म आराधना के पश्चात रुचि में परिवर्तन जीवन में सबसे ज्यादा जरुरी है 10 दिन तक आप सभी लोगों ने खूब धर्म आराधनाऔर तपस्या की इस धर्मआराधना और तपस्या के उपरांत भी यदि आपकी रुचि जैसे पहले थी यदि बैसी ही बनी रहती हे, तो धर्म आराधना का कोई फायदा नहीं हुआ हां यदि आपकी रूचि में बदलाव आया है, तो समझना कि आपके जीवन की दिशा सही है, और यदि बदलाव नहीं है, तो अभी हम जंहा के तंहा है। धर्म धारण करने से यदि जीवन बदल जाऐ तो धर्म करना सार्थक है अन्यथा लोग पूरी जिंदगी धर्म करते है, लेकिन उनका दृष्टिकोण जंहा के तंहा रहता है कि मेरा समाज में नाम हो जाऐ लोग मुझे धर्मात्मा के नाम से जानें मुनि श्री ने कहा कि हमें दूसरे की ओर दृष्टि न करते हुये अपने अंदर की ओर तत्वदृष्टी होंना चाहिये। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया 22 सितंवर रविवार को प्रात:8बजे से सामुहिक क्षमावाणी का कार्यक्रम संपन्न होगा एवं सांयकाल 6 बजे से शंकासमाधान के पश्चात मुनि श्री संधान सागर जी महाराज द्वारा बच्चों की कक्षाएँ लगेंगीं। **-अविनाश जैन**

रामगंजमंडी जैन समाज ने सागर में संस्कार शिविर में भाग लेकर लौटने पर तपस्वी देवेंद्र कुमार टोंग्या का किया अभिनंदन

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त व्यवहार कुशल प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी शिखरचन्द टोंग्या मिश्रोली वाले धर्मपत्नी सद संस्कारों से युक्त श्रीमति शांतिदेवी के सुयोग्य सुपुत्र देवेंद्र कुमार टोंग्या का पर्वराज पर्यूषण के पावन अवसर निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 सुधा सागर महाराज सानिध्य में आयोजित दस दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर सागर मध्य प्रदेश से लोटने पर रामगंजमंडी जैन समाज की और से श्री,,, भाव भीना अभिनंदन किया गया।

विदित हो कि रामगंजमंडी श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। एवं उन्होंने शिविर के बारे में माताजी को जानकारी दी एवं तप आराधना के विषय में शिविर के अनुभव को माताजी ने उनसे जाना। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा वरिष्ठ पत्रकार ने देवेंद्र टोंग्या से जानकारी ली। उन्होंने छठवी बार इस शिविर में भाग लिया । देवेन्द्र टोंग्या शिविर में रहकर उत्कृष्ट तप करते हुए छह उपवास और चार व्रत किए । उन्होंने बताया कि शिविर में जाने के बाद से ही मेरे जीवन में नव चेतना का संचार हुआ मैं प्रतिदिन मंदिर जाकर पूजन पाठ करता हूं एवं संध्या काल में स्वाध्याय भी करता हूं। अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंज मंडी ने बताया कि देवेंद्रकुमार टोंग्या को उनके निवास स्थान से होते हुए नगर भ्रमण कराते हुए जिन मंदिर लाया गया। जहा उन्होंने शांतिनाथ भगवान के दर्शन किए इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव सभी के बीच साझा किए और समाज बंधुओ द्वारा उनका माला पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया। **-अभिषेक जैन**

गुरु पूजा गुरु भक्ति से बहुत कुछ मिलता है : आचार्यश्री वर्धमानसागर जी महाराज

जीवन भर गुरु सानिध्य के लिए नगर परिवार छोड़कर जीवन को उन्नत बना सकते हैं : आचार्यश्री

पारसोला (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज पारसोला नगर में चातुर्मास हेतु विराजित है।दशलक्षण पर्व की समाप्ति पर आज नगर में श्री जी की रथ यात्रा निकाली गई इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री ने बताया कि जैन धर्म का सबसे बड़ा दशलक्षण पर्व अनादि निधन पर्व है। इन 10 दिनों में सभी ने कुछ सीखने का प्रयत्न किया है जीवन की विकृति धर्म के प्रभाव से दूर होती है उत्तम क्षमा से उत्तम ब्रह्मचर्य 10 अंगों को आपके द्वारा समझने का प्रयास किया गया, इससे जीवन को अच्छे से अच्छा बना सकते हैं, क्योंकि चारों गति में मनुष्य गति श्रेष्ठ है। पुण्य से प्राप्त मनुष्य भव में आत्मा का उत्थान करना चाहिए। धर्म कभी खाली नहीं जाता है।गुरु पूजा, गुरु भक्ति से बहुत कुछ मिलता है, जीवन भर गुरु सानिध्य के लिए नगर परिवार छोड़कर जीवन को उन्नत बना सकते हैं। धर्म से जीवन की उन्नति होती है, तभी जीवन सार्थकता को प्राप्त होता है। जन्म और मृत्यु से जीवन सार्थक नहीं होता है। इसके पूर्व आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सानिध्य में रथ यात्रा प्रारंभ हुई।

श्रीजी की रथ यात्रा में उमड़े श्रद्धालु, आचार्य श्री वर्धमान सागर ससंघ में निकली श्रीजी की रथ यात्रा पारसोला में आज रथोत्सव के समापन पर श्रीजी की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। पार्श्वनाथ चोक से दो प्राचीन काष्ठ के रथ में रजत पालकी में मूलनायक पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा विराजित कर भव्य रथ यात्रा निकाली गई। युवा वर्ग सिर पर मेवाड़ी पगड़ी पहने पुरुष श्वेत वस्त्र में महिलाएं लाल साड़ी में सज धज कर श्रीजी की रथ यात्रा में नाचते झूमते श्रीजी के जयकारें लगाते चल रहे थे। रथ यात्रा सदर बाजार पुराना बस स्टैंड स्वामी विवेकानंद चोक होते हुए श्यामा वाटिका पहुँचे। रास्ते में श्रद्धालुओं, मेलार्थियों व दुकानदार ने श्रीजी की रथ यात्रा में भेट चढ़ाकर दर्शन किये। श्यामा वाटिका में सौभाग्यशाली परिवारों द्वारा श्रीजी का अभिषेक पूजन कर प्रभावना वितरित किया। स्वामी वात्सल्य भोज के साथ रथ यात्रा संपन्न हुई। रात्रि में श्रीजी व आचार्य श्री की मंगल आरती हुई। राजेश पंचोलिया अनुसार इस अवसर पर टीकमगढ़ से अनेक यात्रियों ने आकर आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के दर्शन कर विशेष पूजन अर्चन सन्मति भवन में की। **-राजेश पंचोलिया**

क्षमा सबसे बड़ा धर्म है, संगम कॉलोनी में हुआ क्षमा वाणी पर महा संगम

जबलपुर (विश्व परिवार)। आज क्षमावाणी का दिन है। क्षमा की सीमा अपरम्पार है। किसी के साथ वैर-भाव, मात्सर्य भाव न रहे, किसी को भी हीन दृष्टि से, नीच दृष्टि से न देखना, अपने बराबर समझना, यह वास्तविक क्षमा है।

संगम कॉलोनी में वार्षिक अभिषेक एवं क्षमा वाणी मिलन समारोह का आयोजन हुआ जिसमें जबलपुर संस्कारधानी में विराजित समस्त संघ का मिलन हुआ एवं सभी संतो ने क्षमा धर्म का उपदेश दिया। निर्यापक मुनि श्री 108 प्रसाद सागर जी ने बताया कि शरीर जब शिथिल हो जाता है, तब ज्ञान में शिथिलता आ जाती है, क्षायोपशम ज्ञान में परिवर्तन हो जाता है। मन की भी ऐसी ही स्थिति हो जाती है, कषायों की बाढ़ चालू हो जाती है, परन्तु सम्यक्त्व, क्षमा, विवेक अगर साथ है, तो कषायों का वेग शांत हो जाता है। प्रतिकूल वातावरण में भी अनुकूल वातावरण का अनुभव करना, क्षमा के बिना सम्भव नहीं है। वीतराग मुद्रा को तालों में बन्द रखने से दुनिया के लोगों को शंकाएँ होती हैं, उसे ताले में बन्द नहीं रखना। मुनि लोग यही भावना करते हैं सर्वत्र कुशलता हो, किसी भी प्राणी को तकलीफ न हो। वे क्षमा, मार्दव आदि गुणों के धारक होते हैं। विराजित सभी भक्त जनों को उपदेश देते हुए उपाध्याय विश्रुत सागर जी जी ने कहा हमारा प्रेम पुद्गल के साथ नहीं होना चाहिए। सभी जीव सुखी रहें, दुनियाँ का कल्याण हो, यह क्षमा मूर्ति मुनि महाराज ही विचारते हैं। क्षमा के बल पर तीर्थकर प्रकृति का बंध हो सकता है। अनंत के साथ क्षमा की प्रादुभूति हो जाती है तब तीर्थकर प्रकृति का बंध हो जाता है। तीर्थकर प्रकृति का बंध करने वाला व्यक्ति चाहे मुनि हो या श्रावक। जो अनंत की सेवा (वैयावृत्य) करना चाहता है, वह अनन्तानुबन्धी को कम करता है वह यह नहीं सोचता कि सत्ता को मिटा दूँ, मैं बना रहूँ। वह सोचता है सभी का क्षेम हो, सभी को ज्ञान प्राप्त हो, सबका दुख मिट जाये। बोर्डिंग में चातुर्मास रत मुनि श्री 108 अस्तिक्य सागर जी महाराज ने कहा जब अनन्तानुबन्धी मिट जाती है, तब अनंत दुख मिट जाता है, आत्मा सामने खड़ा हो जाता है, अन्य पदार्थ गौण हो जाते हैं। मिथ्यात्व के अभाव में ही आत्मा की प्रादुभूति होती है। उपस्थित समस्त जनों ने पद्म सरिता का दिव्य प्रसाद पाया और मुनि श्री पद्म सागर जी ने बतायाजहाँ पूर्ण क्षमा है, वहाँ गति नहीं, जहाँ गति नहीं वहाँ विश्राम है। विसंवाद छोड़ो, संवाद पर आ जावो। संवाद भी समीचीन रूप हो। मोक्ष मार्ग की चर्चा हो। दूसरों के उद्धार के साथ मेरा भी उद्धार कैसे हो यही प्रश्न दिमाग में हो। विषय कषाय को दबाओ। मोहरूपी डाट को हटाओ और वास्तविक क्षमा को धारण करो। मेरी भावना है, यही वीर प्रभु से प्रार्थना है। **-आलिंद भैया**

हम सब सहित सारे के सारे रत्न सागर से ही आचार्य श्री ने निकाले : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

सामाजिक नैतिक जागरण कर रहे हैं निर्यातक श्रमण श्री सुधा सागर जी महाराज : लोस अध्यक्ष ओम विरला

42वें दीक्षा दिवस पर देशभर से भक्तों का सैलाब पहुंचा सागर

सागर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्राभावक शिष्य मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के वैयालिस वे दीक्षा दिवस परम पूज्य आर्यिका रत्न उपशांत मति माताजी ससंघ क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के निर्देशन में मनाया गया इस में देशभर से भक्तों का सेलाव सागर पहुंच जहां प्रात: काल की वेला में जगत कल्याण की कामना करते हुए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर अशोक नगर एस के जैन दिल्ली विनय भाई अहमादाबाद दानोदय तीर्थ के सुरेंद्रकुमार राजेन्द्र कटरिया सहित अन्य भक्तों को मिला

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज का व्यालीस वा दीक्षा दिवस भव्य समारोह प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया के निर्देशन में विनोद छाबड़ा जयपुर की टीम के साथ भव्य प्रस्तुति के रूप देखने को मिलेगा दोपहर में महा पूजा होगी अभी पाठशाला के वच्चो द्वारा मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज के जीवन पर आधारित एक भव्य नाटकीय की प्रस्तुति की जा रही है इस दौरान तीर्थ क्षेत्र नैनगिर में हुई हुए क्षुल्लक दीक्षा की प्रस्तुति दी गई इस दौरान गोदभराई विनोली के साथ दीक्षासंस्कार का रुपांकन किया गया।

इस दौरान आर्यिका रत्न उपशांत मति माताजी ने कहा कि आचार्य भगवंत का विहार कर सागर से निकल रहें थे। आचार्य भगवंत के लिए निकला मै ने विहार नहीं कराया है मैंने धर्म प्रभावना के लिए भेजा है मैंने अपने से दूर नहीं किया वे हमारे ही साथ है हमारी आज्ञा के साथ है उन्होंने कहा कि सागर में मुनिश्री सुधासागरजी महाराज थे और साथ उस समय मुनि श्री क्षमासागर जी महाराज पूरे शहर भर चर्या हो रही है त्याग व्रती के प्रति कितनी करुणा है उदासी आश्रम की ओर चर्या कर दिया हम लोग दौड़ पड़े आर्यिका श्री प्रशांत मति माताजी जो बड़ी दीदी पुष्पा दीदी पटेरा उन्होंने भोजन नहीं किया उन्होंने और हम सब ने पड़गाहन करने को चीख निकली पूज्य श्री ने हम चारों बहनों परिक्रमा कर महाराज जी की अष्टम मंगल द्रव्य से पूजन कर अनियत विहार की कुछ भी तैयार नहीं है अचानक मिले सौभाग्य महाराज जी ब्रह्मामी विद्या आश्रम में आहार चर्या की ऐसी सरलता है पास करके उस दिन जो ध्यान में बैठ है ऐसी विशुद्ध बड़ी सब देखते रह गए। इस दौरान मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि सागर से आचार्य भगवंत ने बहुत सारे रत्न निकालें उनके कारण ही युवा धर्म से जुड़े आचार्य श्री ने संयम के मार्ग पर मोड़ बह भगवान महावीर स्वामी के वाद शायद ऐसी सबसे बड़ी घटना होगी इन दो हजार सालों में पूरा वाल ब्रह्मचारी संघ जिसमें सैकड़ों दीक्षा ये हुई बहुत सारे युवाओं को धर्म की ओर मोड़ दिया।

दोपहर में हुए मुख समारोह में दीप प्रज्ज्वलन एस के जैन दिल्ली प्रमोद पहाड़ियां हुकम काका कोटा विनय भाई अहमादाबाद शैलेन्द्र गोधा सुमन दगड़ व्यावर उत्तम पाटनी ने किया वहीं पाद प्रक्षालन सुसीला पाटनी आर के मार्वल राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला मध्यप्रदेश सरकार के खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सांसद लता वानखेड़े राजपूत विधायक शैलेंद्र जैन ने मुनिश्री के चरणों में श्री फल भेंट किए। इस दौरान चातुर्मास कमेटी गौरव अध्यक्ष राजेंद्र जैन सुरेन्द्र कुमार बट्टू कार्याध्यक्ष राजेश एडवीना सर्वाध्यक्ष आशीष पटना महामंत्री राजकुमार मिनी मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र वडेरा साहिल डवडेरा अंकित जैन प्रशांत सानोधा सहित अन्य प्रमुख जनो ने शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान परम पूज्य मुनि श्री के परम भक्त लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने कहा कि मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज सामाजिक जागरूकता के साथ नैतिक जन जागरण कर रहे हैं मुझे परम पूज्य गुरुदेव की वर्षो से निकटता का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है कितनी भी व्यस्तता हो फिर भी हमारे राकेश मंडियां हमें दर्शन का अवसर दिला देते हैं कोटा के अंदर महाराज जी की प्रेरणा से बालिकाओं के लिए छात्रावास बालकों के लिए छात्रावास गौशाला पक्षी शाला चिकित्सा सुविधाएं और ना मालूम कितने काम हुए और जहां भी महाराज जी पहुंचे हैं वहां सबसे पहले मन्दिर जो हमारे देश की संस्कृति को जीवित रखें हुए हैं बनवाया करते हैंप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सब ने भी राम मन्दिर के निर्माण में योगदान दिया आज मुझे वायालीस वे दीक्षा दिवस समारोह में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ आप जहां जाते हैं वहां धर्म संस्कारो से सभी लाभन्वित होते हैं इस दौरान संगीत के साथ भव्य प्रस्तुतियों के साथ आचार्य श्री व पूज्य श्री की महा पूजन की गई जिसमें देशभर से पहुंचे भक्तों को अर्घ्य समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस दौरान क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ने कहा कि इनको इंजिनियर कहे या वस्तुविग कहे या तीर्थ उद्धवदरक इन्हें तव कहा गया जव इन्होने देवो से भरे देवगढ़ तीर्थ क्षेत्र का उद्धार करकर चार सौ अड़सठ प्रतीमा तीज का दिन है आज तुम्हें मुक्ति का बीज देते हूं और तीर्थ राज सम्मेद शिखर में दीक्षा के संस्कार देकर मुक्ति का द्वार जनता के लिए खोल दिये इनका जीवन बहुत संघर्ष मय रहा सात बार निमोनिया ने घेरा और भी कई उपसर्ग सहकर ये निखरते रहे फिर वैराग्य हो आचार्य भगवंत कर कमलों से दीक्षा ग्रहण कर आज भगवान जिनेन्द्र देव की अभूतपूर्व प्रभावना कर रहे हैं। **-विजय धुर्रा**

संक्षिप्त समाचार

मैनपुरी से आंध्र प्रदेश ईटा भट्टी में काम करने गई महिला की मौत,अधिकारियों में हड़कंप

गरियाबंद(विश्व परिवार)। ईंट भट्टे में काम करने आंध्र प्रदेश गई आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र अन्तर्गत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के गोद ग्राम कुल्हाड़ीघाट से विशेष पिछड़ी कमार जनजाति की महिला की मौत हो गई. इस खबर से स्थानीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट से शांतिबाई (34 वर्ष) पति फरसराम (36 वर्ष) अपने सालभर के बच्चे को लेकर जुलाई माह में आंध्रप्रदेश पलायन कर गई थी. आंध्रप्रदेश ईंट भट्टे में मजदूरी कर रही महिला की अचानक तबीयत खराब होने से तीन दिन पहले उसकी मौत हो गई. इस संबंध में जानकारी मिलने के बाद से परिवार में शोक व्याप्त है. ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट के पूर्व सरपंच एवं कमार समाज के अध्यक्ष बनसिंह सोरी ने बताया कि फरसराम के साथ उसकी पत्नी शांतिबाई आंध्रप्रदेश के ईंट भट्टा में काम कर रहे थे. तीन दिन पहले शांतिबाई की मौत होने की फोन के माध्यम से जानकारी मिली है. उनके दो बच्चे कुल्हाड़ीघाट में रहते हैं. इस संबंध से स्थानीय अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं

विकासखंड गीदम के कन्या छात्रावास एवं आश्रमों में विधायक ने किया रात्रि पोशाक का वितरण

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। जिला खनिज संस्थान न्यास निधि द्वारा जिले में संचालित 127 विभागीय आश्रम, छात्रावासों के छात्र छात्राओं के लिए रात्रि पोशाक हेतु प्रबंधक, डेनेक्स नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा को कार्यादेश प्रदान किया गया था। इस कड़ी में आज इस हेतु प्री मेट्रिक कन्या छात्रावास गीदम में रात्रि पोशाक (नाइट ड्रेस) वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक श्री चैतराम अटामी, जनपद पंचायत श्रीमती अंती वेक, मण्डल संयोजक गीदम श्री रवीन्द्र टीकम, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल गीदम प्राचार्य, अधीक्षक, अधीक्षिका तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। जहां विधायक श्री अटामी द्वारा इस कार्यक्रम में प्री मेट्रिक कन्या छात्रावास गीदम कुल 200 एवं नवीन पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास गीदम के कुल 200 तथा पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास गीदम के कुल 150 छात्राएं को रात्रि पोशाक का वितरण किया गया। इसके अलावा जिले में शेष कुल 124 आश्रम, छात्रावासों में सम्बंधित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से रात्रि पोशाक वितरण कराया गया।

शासन की योजनाओं का लाभ लेकर संतोषी बनी लखपति

धमतरी(विश्व परिवार)। शासन द्वारा महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रहीं हैं। इन्हीं में से से एक ही लखपति दीदी। एक ऐसी योजना, जिसमे सुनहरे भविष्य की उम्मीद और बेबस, लाचार महिलाओं के साथ-साथ अपने जरूरी खर्चों के लिए पैसों की मोहताज महिलाओं की खुशियां ही नहीं छिपी है। पोटियाडीह की लखपति दीदी श्रीमती संतोषी हिरवानी खुश होकर बताती हैं कि उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी का मोहताज होने की जरूरत नहीं है। वे कहतीं हैं कि बिहान के तहत वे लखपति दीदी हैं। इसके साथ ही कृषि मित्र भी हैं। इसके तहत वे लोगों को जैविक खाद तैयार करना और इससे खेती करने की सलाह देतीं हैं, इसके साथ ही उन्हें जैविक तरह से कृषि दवाई बिक्री करने में एक से दो हजार की आय प्रतिमाह प्राप्त होती है। श्रीमती संतोषी हिरवानी ने बताया कि उसे शासन की महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना का लाभ भी मिल रहा है। इन खुशियों के पीछे आर्थिक सशक्तिकरण का वह आधार भी है, जो कि महतारी वंदन जैसी योजना के बलबूते छत्तीसगढ़ की गरीब महिलाओं में आत्मनिर्भरता की नींव धीरे-धीरे मजबूत करती जा रही है। महज 7 महीनें में ही विष्णु सरकार की इस महतारी वंदन योजना ने छत्तीसगढ़ की न सिर्फ महिलाओं में अपितु घर-परिवार में भी खुशियों की वह मिठास घोल दी है, जिसका परिवर्तन उनके जीवनशैली में भी बखूबी नजर आने लगा है। आर्थिक रूप से सशक्तिकरण ने परिवार के बीच रिश्तों की गाँठ को और भी मजबूती से बाँधना शुरू कर दिया है। इस योजना से महिलाओं का सम्मान भी बढ़ा है। इसके अलावा संतोषी चिकन सेंटर का संचालन कर रहीं हैं, जिससे उन्हें 6 से 7 हजार रूपये तक की आमदनी हो रही है। साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी भी करतीं हैं। साथ ही मनरेगा के तहत बने मुर्गी शेड में मुर्गियों का पालन करतीं हैं। वे बताती हैं कि इन सभी कामों से उसे साल में एक लाख रूपये से अधिक की आमदनी होती है। इन सभी से मिले आमदनी का उपयोग वे अपने दोनों बच्चों को अच्छी सी अच्छी शिक्षा में देने के लिए करेंगी। श्रीमती संतोषी ने अपने जीवन में आये इस सुधार के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया है।

आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल में परिणाममूलक कार्य करें : डॉ. शोभित जैन

केंद्रीय संयुक्त सचिव ने की नीति आयोग आकांक्षी जिला कार्यक्रम की समीक्षा

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर सुलभता के साथ ही पोषण के लिए लक्षित माताओं एवं बच्चों को एकीकृत बाल विकास सेवाओं की उपलब्धता को प्रभावी बनाया जाए। वहीं कृषि को बढ़ावा देने के लिए माइक्रो इरिगेशन सिस्टम और फसल बीमा योजना से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास किया जाये। आकांक्षी ब्लॉक तोकापाल में निर्धारित सूचकांक पर परिणाममूलक कार्य कर ग्रामीणों के जीवन स्तर में बदलाव लाएं। उक्त निर्देश भारत सरकार के संयुक्त सचिव और प्रभारी अधिकारी आकांक्षी जिला कार्यक्रम बस्तर डॉ.शोभित जैन ने कलेक्टोरेट के आस्था सभाकक्ष में नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला के लिए निर्धारित सूचकांक की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया और नीति आयोग के निर्धारित सूचकांक पर अच्छे काम की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की छवि बदल रही है। जो छोटी-छोटी गैप है उसे पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें तो और बेहतर नतीजे हासिल होंगे। संयुक्त सचिव डॉ.जैन ने आकांक्षी जिला के मुख्य सूचकांक में बेहतर उपलब्धि हासिल करने के लिए उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए भवन, बिजली-रनिंग वॉटर की सुलभता सहित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पदस्थापना के साथ ही गर्भवती माताओं का पंजीयन, नियमित स्वास्थ्य जांच, शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुविधाओं की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रीत किये जाने कहा। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों में लक्षित माताओं एवं बच्चों को एकीकृत बाल विकास सेवाओं की सुलभता के लिए सकारात्मक प्रयास किये जाने पर बल दिया। उन्होंने प्राथमिक से उच्च प्राथमिक कक्षाओं सहित उच्च प्राथमिक से हाईस्कूल स्तर की कक्षाओं में बच्चों की भर्ती, स्कूलों में कार्यशील शौचालय की व्यवस्था के लिए परिणामदायक कार्य करने की आवश्यकता बताई। सयुंक्त सचिव डॉ. जैन ने अधोसंरचना विकास के अंतर्गत बसाहटों को पक्की डामरीकृत सड़कों से जोड़ने ग्रामीण सड़क निर्माण, उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की उपलब्धता इत्यादि के साथ ही ग्राम पंचायतों में इंटरनेट की सुविधा, कॉमन सर्विस सेंटर की सेवाएं प्रदाय करने पर जोर दिया। वहीं वित्तीय समावेशन के तहत मुद्रा लोन सुलभ कराने और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत कव्हरेज विस्तार किये जाने कहा। बैठक में कलेक्टर हरीस एस. ने दिए गए निर्देशों का परिपालन कर आकांक्षी जिला सूचकांक पर बेहतर रणनीति अपनाकर अच्छी उपलब्धि हासिल करने आश्वस्त किया। इस दौरान जिले में स्वास्थ्य-पोषण, शिक्षा, कृषि-उद्यानिकी, कौशल विकास सेक्टर में किये जा रहे नवोन्मेषी प्रयासों के बारे में सम्बंधित जिला स्तरीय अधिकारियों ने विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

गिरोला के सभी घरों को हर घर जल के तहत पानी की सप्लाई से खुश हैं ग्रामीण

जगदलपुर(विश्व परिवार)। शासन की हर घर को पेयजल मुहैया करवाने हेतु संचालित जल जीवन मिशन के तहत बस्तर जिले के बकावंड विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गिरोला में सभी 84 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के द्वारा हर घर जल सुलभ हो रहा है। जिससे अब ग्रामीण काफी उत्साहित हैं। विशेषकर घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाली महिलाएं सर्वाधिक खुश हैं,जिन्हें अब घर में ही पानी उपलब्ध हो रहा है। इस बारे में ग्राम पंचायत के सरपंच सतेन्द्र गागड़ा कहते हैं कि हमारे गांव के लोग हैंडपंप से पानी भरकर लाते थे। पहले पानी की बहुत किल्लत थी। अब सरकार की जल जीवन मिशन द्वारा हरेक घर को नल कनेक्शन देने के साथ ही टंकी के माध्यम से पानी आपूर्ति की जा रही है। जिससे ग्रामीणों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। अपने घर में पानी की नियमित आपूर्ति से प्रसन्न श्यामबत्ती बघेल कहती हैं कि हैंडपंप से घर के सदस्यों के लिए पानी लाना बहुत तकलीफभरा था। कई बार तबियत खराब रहने से सर्वाधिक दिक्कत होती थी। लेकिन अब काफी सहूलियत हो रही है। घर के कामकाज खत्म कर खेती-किसानी कार्य के लिए ज्यादा समय दे रही हैं। इसी तरह दिव्या त्रिपाठी बताती हैं कि घर से काफी दूर स्थित हैंडपंप से घड़ा भरकर सिर में उठाकर लाना बहुत मुश्किल था फिर भी घर की जरूरत के लिए पानी लाना मजबूरी थी। लेकिन अब हर घर नल कनेक्शन देकर नियमित पानी की आपूर्ति से यह दिक्कत दूर हो गई है। ग्राम पंचायत गिरोला में बच्चों की शिक्षा के लिए प्राथमिक शाला और उच्च प्राथमिक शाला संचालित है यहां भी जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल कनेक्शन देकर जल की आपूर्ति की जा रही है। उच्च प्राथमिक शाला के हेडमास्टर हरिबन्धु बघेल बताते हैं कि जल जीवन मिशन से दोनों स्कूलों में नल कनेक्शन के द्वारा पानी की आपूर्ति से शौचालय को साफ-सुथरा रखने में मदद मिल रही है। वहीं मध्यान्ह भोजन बनाने तथा बच्चों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध करवाने में काफी सहूलियत हो रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा दोनों स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के उपाय और सफाई के महत्व को समझाया गया। वहीं निबंध एवं चित्रकला स्पर्धा के माध्यम से बच्चों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया,ताकि बच्चे अपने घर के सदस्यों को इस दिशा में अभिप्रेरित कर सकें। अब ग्रामीण भी पानी के महत्व को समझ चुके हैं और जल संरक्षण की दिशा में सहभागी बन रहे हैं।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र भूलनडबरी में पहुँचकर सुपोषण चौपाल का किया निरीक्षण

कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे कार्यों का लिया जायजा

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल आज गुरुर विकासखण्ड के आंगनबाड़ी केन्द्र भूलनडबरी में पहुँचकर 01 से 30 सितम्बर तक आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र में आयोजित सुपोषण चैपाल एवं वजन त्यौहार के विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों का वजन जाँच कराकर तथा पोषण ट्रेक एप्प में एण्ट्री के कार्य का अवलोकन के अलावा बच्चे, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को प्रदान की जाने वाली रेडी टू इट आदि पौष्टिक खाद्य पदार्थों का जाँचकर कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे उपायों का जायजा लिया। चन्द्रवाल ने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से आंगनबाड़ी केन्द्र में कुल कुपोषित बच्चों की संख्या तथा उनकी स्थिति में सुधार हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में भी जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के अलावा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को प्रदान की जाने वाली पौष्टिक खाद्य पदार्थों के संबंध में भी जानकारी ली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि इसके अंतर्गत 01 से 03 वर्ष के तक के बच्चों के अलावा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को नियमित रूप से गर्म भोजन प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को पौष्टिक भोजन एवं नाश्ते के अलावा दुध, केला इत्यादि भी प्रदान किया जा रहा है। इस मौके पर कलेक्टर चन्द्रवाल ने नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट भोजन खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया। इसी तरह उन्होंने गर्भवती माताओं को पौष्टिक भोजन की थाल भेंटकर उनकी गोद भराई रस्म को पूरा किया।

जल जीवन मिशन के तहत ग्राम अच्छाछड़का में नल लगने से लोगों को मिली राहत

72 परिवारों को अब मिल रहा शुद्ध पेयजल

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय गरियाबंद से लगभग 40 किलोमीटर दूर वनांचल क्षेत्र के दुरस्थ ग्राम पंचायत जंगलधवलपुर के आश्रित ग्राम अच्छाछड़का सिकासेर बांध की तरफ कच्चे रास्ते में नल कनेक्शन पहुंच गया है। इस गांव में 72 परिवार निवासरत है जहां जल जीवन मिशन के माध्यम से सोलर नलजल प्रदाय योजना द्वारा ग्रामीणों के घर पर ही पीने का पानी आसानी से उपलब्ध हो रहा है। गांव की चंदकंवर नेताम ने बताई जल जीवन मिशन के माध्यम से यहां प्रत्येक घरों में नल कनेक्शन लगाया गया है। जिससे प्रत्येक घरों पर पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व में जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन नहीं लगा था तो पूरा मोहल्ला कुएं के पानी पर निर्भर था और कुआं सुख जाता था तो एक निजी बोर से पानी लाकर जीवन यापन किया करते थे। कुएं का पानी मटमैला होने से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाया करता था किन्तु घर- घर नल लगने से ग्रामीणों को सुविधा हुई है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत नल लगने से बाहर से पानी लाने की आवश्यकता नहीं पड़ती जिससे शारीरिक थकान एवं समय का भी बचत हो रहा है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ ही आवारा गौवंश का सहारा बने गाड़ाडीह के किसान रमनलाल साहू

धमतरी(विश्व परिवार)। आज के इस आधुनिक दौर में वैसे तो खेती किसानों के काम को उतना महत्व नहीं दिया जाता है, जितना की सरकारी या किसी अन्य नौकरी को दिया। पुराने समय में बुजुर्गों का मानना था, कि नौकरी करोगे तो जीवन भर नौकर ही बन जाओगे। इसलिए पुराने लोग नौकरी को कम और स्वयं के व्यवसाय को अधिक महत्व देते थे। ऐसी ही कहानी धमतरी जिले के ग्राम गाड़ाडीह निवासी प्रगतिशील किसान श्री रमनलाल साहू की। जिन्होंने परम्परागत खेती को पीछे छोड़ आधुनिक खेती को अपनाया है। जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सराहनीय काम किया है। प्रगतिशील किसान श्री साहू बताते हैं कि वे बीते 8 सालों से धान की जैविक खेती कर रहे हैं और जल संरक्षण की दिशा में रबी सीजन में दलहन-तिलहन की फसल ले रहे हैं। इससे जमीन की उर्वरकता तो बढ़ी ही है, साथ ही फसल भी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि उनके पास 3 एकड़ से अधिक कृषि भूमि है, जिसमें खरीफसीजन में धान और रबी सीजन में दलहन-तिलहन की फसल लेते हैं। श्री साहू बताते है कि किसान होने के साथ-साथ पशु मित्र भी है, उन्होंने गली-मोहल्लों में आवारा घूमने वाले गौवंश को सहारा देने के उद्देश्य से अपने खेत समीप 25 डिस्मिल क्षेत्र में गौठान तैयार किया है। इन गौवंश से प्राप्त होने वाले गोबर का उपयोग जैविक खेती करने में कर रहे हैं। वहीं दूध बेचकर हर माह 9 हजार रूपये की शुद्ध आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। श्री साहू ने यह भी बताया कि उन्होंने खेत में छोटा सा तालाब बनाया है, जिससे गौवंश के लिए पानी की व्यवस्था की है, वहीं क्रेडा की ओर से सोलर पैनल भी लगवाया है। इसके साथ ही गोबर गैस संयंत्र लगाकर गौवंश के लिए दाना-पानी उबालते हैं। श्री रमनलाल साहू रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के बारे में अन्य किसानों को अवगत कराते हुए जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। साथ ही अपने गौशाला से उत्पादित गोबर, गौ मूत्र को अपने खेतों में उपयोग करते हुए जहरमुक्त अन्न की पैदावार कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था करते हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने के श्री साहू को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अभी हाल ही में सम्मानित भी किया है।

राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें : डोमन सिंह

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप आम जनता की छोटी-छोटी मांग एवं समस्या का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हेतु सकारात्मक पहल जन चौपाल के माध्यम से किया जाए। जन चौपाल में सभी विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी के साथ ही ब्लॉक या तहसील स्तर पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जनसाधारण की समस्या एवं शिकायतों के निराकरण के लिए प्रयास हो, जिसमें संबंधित इलाके के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहें। जिससे आम जनता की समस्या एवं शिकायतों का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित निराकरण किया जा सके। वहीं शासन के प्राथमिकता की योजनाओं का धरातल पर कारगर क्रियान्वयन कर जरूरतमंदों को लाभान्वित करने सार्थक प्रयास किया जाए। कमिश्नर बस्तर गुरुवार को कलेक्टोरेट बस्तर के प्रेरणा सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में राज्य शासन के प्राथमिकता की योजनाओं के कार्यान्वयन प्रगति की विस्तृत समीक्षा के दौरान उक्त निर्देश दिए। उन्होंने बैठक के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण स्थिति की जानकारी ली और निर्धारित समयावधि में राजस्व प्रकरणों को निराकृत करने पर बल दिया। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने स्वच्छता ही सेवा अभियान को व्यापक जन सहभागिता के साथ चलाए जाने पर बल देते हुए कहा कि स्वच्छता को आदत के रूप में शामिल करने की दिशा में हर महीने एक निर्धारित शनिवार को कार्यालय, अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र सहित आश्रम-छात्रावास, आवासीय विद्यालयों इत्यादि में साफ-सफाई करें। साथ ही इन कार्यालय एवं संस्थाओं के परिसर की स्वच्छता के लिए प्रयास करें। वाट्सअप ग्रुप बनाकर नियमित तौर पर मॉनिटरिंग करें और अच्छा कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन भी करें,ताकि अन्य लोगों को भी प्रोत्साहन मिल सके। कमिश्नर ने आयुष्मान कार्ड पंजीयन हेतु कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित टीकाकरण दिवस पर छूटे हुए व्यक्तियों का पंजीयन किए जाने कहा। इसके लिए मुनादी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। साथ ही ज्यादा छूटे हुए लोगों को सेचुरेशन करने के लिए विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने कुपोषण मुक्ति हेतु पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों की भर्ती के लिए रोस्टर तैयार करने कहा और प्रतीक्षा सूची के आधार पर बेड खाली होते ही अगले क्रम के कुपोषित बच्चों को लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने आम लोगों को रियायती दर पर दवाइयां सुलभ करवाने के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का विस्तार कर सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा चिन्हित लैम्पस समितियों में भी प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने कहा। उन्होंने क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों की मदद एवं अभिप्रेरणा हेतु समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों के साथ ही स्वयंसेवी एवं समाजसेवी संगठनों को निक्षय मित्र बनाने कहा और इस दिशा में व्यापक जन सहभागिता की आवश्यकता जताई। कमिश्नर ने शिक्षा विभाग के तहत पीएमश्री विद्यालयों के संबंध में निर्देशित करते हुए इन विद्यालयों को जन आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित किए जाने कहा। साथ ही मरम्मत योग्य स्कूलों के सुधार हेतु कार्ययोजना के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 21 सितंबर 2024

व्यापार समाचार

मैक्स फैशन ने स्टाइल आइकन कल्कि कोचलिन के साथ अपने लेटेस्ट- न्यू न्यू यू - कैंपेन को लॉन्च किया

नईदिल्ली। दुबई स्थित लैंडमार्क ग्रुप के सबसे पसंदीदा फैशन ब्रांड मैक्स फैशन ने- न्यू न्यू यू- अभियान के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री और स्टाइल आइकन कल्कि कोचलिन के साथ एक विशेष सहयोग के माध्यम से ब्रांड के एक नए अध्याय में कदम रखा है। यह कैंपेन नए आत्मविश्वास के क्षेत्र में कदम रखता है, विकास की भावना पैदा करता है जो ग्राहक को स्टाइल की परिवर्तनकारी शक्ति के कारण एकदम नया महसूस कराता है। यह कैंपेन एक सुसंस्कृत संग्रह का हिस्सा है, जो उत्सवों या दोस्ताना समारोहों (वर्कवियर, कैजुअल आउटफिट्स, फ्यूजन फेस्टिव वियर, या हाई-ग्लैम अवसरों के कपड़े) के लिए पुनर्निर्माण की भावना को व्यक्त करता है - ये स्टाइल इस फेस्टिवल सीजन के लिए टोन सेट करता है। इस स्टाइलिश संग्रह के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत थी जो इसकी चंचलता के साथ पूरी तरह से मेल खाता हो, कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास अपने व्यक्तित्व के प्रति सच्चे रहते हुए पारंपरिक फैशन की सीमाओं को तोड़ने की अनूठी क्षमता हो-और शानदार कल्कि कोचलिन से बेहतर कौन हो सकता है- जो हर जीवंत भूमिका के साथ खुद को नयापन देती है।

विप्रो कंज़्यूमर केयर और विप्रो केयर्स ने संतूर स्कॉलरशिप प्रोग्राम का 9वाँ संस्करण पेश किया

रायपुर। विप्रो कंज़्यूमर केयर एवं लाईटिंग ने संतूर स्कॉलरशिप प्रोग्राम का 9वाँ संस्करण पेश किया है। इसका उद्देश्य भारत के वंचित इलाकों की छात्राओं को सशक्त बनाना है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत इस साल 1500 चयनित छात्राओं को वित्तीय सहयोग दिया जाएगा, जिसके लिए प्राथमिकता आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, और छत्तीसगढ़ में पिछड़े जिले की छात्राओं को दी जाएगी। अपने नौवें वर्ष में संतूर स्कॉलरशिप प्रोग्राम के साथ विप्रो कंज़्यूमर केयर आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि की छात्राओं की शिक्षा में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रोग्राम द्वारा छात्राएं न केवल व्यक्तिगत रूप से समर्थ बनती हैं, बल्कि उनके समुदायों के संपूर्ण विकास और प्रगति में भी मदद मिलती है। इस साल 10 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप दी जाएगी, जिसके बाद स्कॉलरशिप के अंतर्गत अब तक वितरित की गई कुल धनराशि 50 करोड़ रु. से अधिक हो जाएगी। इस प्रोग्राम के बारे में श्री पी. एस. नारायण, ग्लोबल हेड - सस्टेनेबिलिटी एवं सोसायटल इनिशिएटिव्स, विप्रो लिमिटेड ने कहा, ''शिक्षा सस्टेनेबल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह समानतापूर्ण समाज के निर्माण में मदद करती है। इस अभियान द्वारा हम वंचित समुदायों की छात्राओं को सशक्त बना रहे हैं, जिससे उन्हें हाईस्कूल से आगे बढ़कर कॉलेज जाने में मदद मिलेगी। यह एक महत्वपूर्ण समय होता है, जो आगे के जीवन की रूपरेखा तय करता है। संतूर स्कॉलरशिप प्रोग्राम के नौंवें संस्करण के साथ हम समाज के उन वर्गों में छात्राओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहाँ उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।''

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड

मुंबई: भारत के सबसे पुराने फंड हाउस में शामिल एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड की शुरुआत की है. यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मैन्यूफैक्चरिंग थीम को फॉलो करती है. इस स्कीम का एनएफओ आज यानी 20 सितंबर, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और यह चार अक्टूबर 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा. इस स्कीम के तहत 11 अक्टूबर, 2024 को यूनिट आवंटित किए जाएंगे. योगेश पाटिल और महेश बेंद्रे इस स्कीम को मैनेज करेंगे. इस स्कीम को निफ्टी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग इंडेक्स (टोटल रिटर्न इंडेक्स) से लिंक किया जाएगा. इस स्कीम का निवेश लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों और शेयरों से जुड़े इंस्ट्रुमेंट्स में मुख्य रूप से निवेश के जरिए लंबी अवधि में निवेश पूंजी में वृद्धि हासिल करना है. हालांकि, इस बात को लेकर किसी तरह का आश्वासन नहीं दिया गया है कि निवेश लक्ष्य हासिल हो जाएगा. न्यूनतम 5,000 रुपये और उसके बाद एक रुपये के गुणकों वाली रकम के साथ एनएफओ के दौरान आवेदन/ स्विच इन किया जा सकेगा. इस स्कीम का लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की अलग-अलग कंपनियों में निवेश करना है, जिनमें ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, केमिकल, हेवी इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, धातु, शिपबिल्डिंग और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं. हालांकि, यह दायरा इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है. नए फंड ऑफर को लेकर एलआईसी म्यूचुअल फंड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफएग्जीक्यूटिव ऑफिसर आर के झा ने कहा,भारत की मजबूत जीडीपी वृद्धि, तेजी से हो रहा शहरीकरण, मध्य वर्ग की बढ़ती आबादी, निर्यात को लेकर सरकार की पहल और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम और मेक इन इंडिया जैसे नीतिगत पहलों से विनिर्मित वस्तुओं की मांग में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है.

एयरटेल बिजनेस और सिस्को ने उद्यमों के नेटवर्किंग को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए 'एयरटेल एसडी-ब्रांच' लॉन्च किया

गुरुग्राम: भारती एयरटेल (एयरटेल) की बी2बी शाखा एयरटेल बिजनेस और नेटवर्किंग और सुरक्षा में विश्व में अग्रणी सिस्को ने आज 'एयरटेल सॉफ्टवेयर-डिफाइंड (एसडी) ब्रांच' - उद्यमों के लिए एक सरल, सुरक्षित, क्लाउड-आधारित, एंड-टू-एंड प्रबंधित नेटवर्क समाधान, लॉन्च किया। सिस्को मेराकी क्लाउड-फर्स्ट प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित, एयरटेल एसडी-ब्रांच, कई शाखा स्थानों पर LAN, WAN, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के एकीकृत प्रबंधन को सक्षम करेगा, जिससे उद्यमों को अपने नेटवर्क प्रबंधन को सरल बनाने, एप्लीकेशन की कार्यक्षमता बढ़ाने और पूरे शाखा नेटवर्क बुनियादी ढांचे से ज्यादा बेहतर कार्यक्षमता प्राप्त करने और उसको बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। शरत सिन्हा, सीईओ - एयरटेल बिजनेस, ने कहा, हम 'सिस्को मेराकी इंडिया रीजन' के साथ साझेदारी में देश के उद्यमों के लिए अपने क्रांतिकारी नेटवर्क समाधान के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं।

पूर्व श्रीलंकाई खिलाड़ी दुलिप समरवीरा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से 20 साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व पुरुष क्रिकेटर दुलिप समरवीरा को एक ईमानदारी जांच के बाद 20 साल के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में किसी भी पद पर रहने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जहां उन्हें आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन करते पाया गया। 1993 से 1995 तक श्रीलंका के लिए सात टेस्ट और पांच वनडे खेलने वाले समरवीरा पर एक महिला खिलाड़ी से संबंधित कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगने के बाद जांच चल रही थी। वह शुरू में 2008 में क्रिकेट विक्टोरिया में विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच के रूप में शामिल हुए थे, इससे पहले पिछले साल नवंबर में उन्हें महिला टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। आचरण आयोग ने पाया कि समरवीरा ने अनुचित व्यवहार किया जो सीए की आचार संहिता की धारा 2.23 का उल्लंघन करता है। अनुचित आचरण के आरोप तब लगे जब समरवीरा क्रिकेट विक्टोरिया (सीवी) में कार्यरत थे। सीए इंटीग्रिटी विभाग इंटीग्रिटी कोड और नीतियों के तहत उसके पास लाई गई शिकायतों की जांच करता है जो राज्य और क्षेत्रीय संघों पर भी लागू होती हैं। आचरण आयोग सीए इंटीग्रिटी द्वारा उसे भेजे गए मामलों की सुनवाई करता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को एक बयान में कहा, सीए और सीवी सभी खिलाड़ियों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों का कल्याण सर्वोपरि है। हम अनुचित व्यवहार की रिपोर्टिंग को दृढ़ता से प्रोत्साहित करते हैं, जिसे सीधे सीए इंटीग्रिटी यूनिट या कोर इंटीग्रिटी हॉटलाइन के माध्यम से किया जा सकता है। संहिता की धारा 2.23 उस आचरण को संदर्भित करती है जो या तो (ए) क्रिकेट की भावना के विपरीत है; (बी) किसी प्रतिनिधि या अधिकारी के लिए अनुचित है; (सी) क्रिकेट के हितों के लिए हानिकारक है या हो सकता है; या (डी) क्रिकेट के खेल को बदनाम करता है या कर सकता है। इस साल मई में, समरवीरा, जिनके छोटे भाई थिलन ने श्रीलंका पुरुष टीम के लिए 81 टेस्ट और 53 वनडे खेले हैं, को दो साल के अनुबंध पर पूर्णकालिक आधार पर इस पद पर नियुक्त किया गया था, लेकिन दो सप्ताह से भी कम समय में उन्होंने पद छोड़ दिया और उनकी जगह मेलबर्न रेनेगेड्स डब्ल्यूबीबीएल के सहायक कोच एंड्रयू क्रिस्टी को नियुक्त किया गया।

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन ही बवाल, लिटन दास से भिड़ गए ऋषभ पंत

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है. टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब हुआ. हालांकि यशस्वी जयसवाल ने मोर्चा संभाले रखा. टीम इंडिया के लिए ऋषभ पंत ने 39 रनों की पारी खेली. पंत ने 52 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके भी लगाए. पंत की इस पारी के दौरान बवाल होते-होते बच गया. वे लिटन दास से भिड़ गए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया है. दरअसल भारत की पारी के दौरान ऋषभ पंत नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने 52 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए. पंत ने 6 चौके लगाए. भारत की पारी के 16वें ओवर में पंत बैटिंग कर रहे थे. इस दौरान वे तीसरी गेंद पर सिंगल लेना चाहते थे. लेकिन दूसरे छोर पर खड़े यशस्वी ने मना कर दिया. इसी बीच गेंद गली के फील्डर ने थ्रो की और वह पंत के पैड पर जा लगी. इससे पंत नाराज दिखे. इस पर पंत ने लिटन दास से कहा, उसको फेंक ना भाई, मुझे क्यों मार रहे हो. पंत इस पर नाराज दिखे. हालांकि यह मामला संभल भी गया. भारत की शुरुआत बेहद खराब रही. उसका पहला विकेट महज 14 रनों के स्कोर पर गिरा. कप्तान रोहित शर्मा महज 6 रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने 19 गेंदों का सामना करते हुए 1 चौका लगाया. शुभमन गिल खाता तक नहीं खोल सके. वे 8 गेंदों का सामना करते हुए जीरो पर आउट हुए.

यशस्वी जायसवाल ने खेली अर्धशतकीय पारी, बना डाले कई रिकॉर्ड्स

भारत बनाम बांग्लादेश

चेन्नई(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन युवा सनसनी यशस्वी जायसवाल ने शानदार अर्धशतकीय पारी (56) खेली।यशस्वी को छोड़ भारतीय शीर्ष क्रम में और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। उनके अलावा ऋषभ पंत ने 39 रन की पारी खेली।यशस्वी ने इस दौरान कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। यशस्वी ने 118 गेंदों का सामना किया और 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 9 चौके निकले।एक समय भारत के 3 बल्लेबाज सिर्फ 34 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से यशस्वी ने पंत के साथ 99 गेंद में 62 रन की साझेदारी निभाई। पंत के आउट होने के बाद उन्होंने केएल राहुल के साथ 48 रन जोड़े।ऐसा लग रहा था कि यशस्वी एक बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन नाहिद राणा ने उन्हें आउट कर पवेलियन भेज दिया। पहले 10 टेस्ट में सबसे ज्यादा 50+ का स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी अब संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।यशस्वी ने 8 बार यह किया है। भारत के पूर्व खिलाड़ी सदगोपन रमेश ने भी पहले 10 टेस्ट में 8 बार 50+ का स्कोर बनाया था।यशस्वी के पास अभी एक और पारी है और वह सुनील गावस्कर की बराबरी कर सकते हैं। पहले 10 टेस्ट में गावस्कर ने 9 बार 50+ का स्कोर बनाया था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2023-25) के चक्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में यशस्वी दूसरे स्थान पर आ गए हैं।उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेन डकेट को पीछे छोड़ा है। डकेट के 16 मैच में 1,028 रन हैं। यशस्वी के 10 मैच में 1,084 रन हो गए हैं।

निवेशकों की बल्ले-बल्ले: ऑल-टाइम हाई पर खुला शेयर बाजार, इस सेक्टर में दिखी तेजी

मुंबई(एजेंसी)। अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती के ऐलान के बाद गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ऑल-टाइम हाई पर खुला। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी जा रही है। सुबह 9.20 पर सेंसेक्स 693 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 83,640 और निफ्टी 203 अंक या 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,569 पर था। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमश: 83,684 और 25,587 का नया ऑल टाइम हाई बनाया है। बैंकिंग शेयर बाजार की तेजी का नेतृत्व कर रहे हैं। निफ्टी बैंक 551 अंक या 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,302 पर था। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स पैक में सभी शेयर हरे निशान में थे। एनटीपीसी, विप्रो, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और सनफार्मा टॉप गेनर्स थे। बाजार में रुझान भी सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,584 शेयर हरे निशान में और 581 शेयर लाल निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी में कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 391 अंक या 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,144 और निफ्टी स्मॉलकैप 108 अंक या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,498 पर था। एशियाई बाजारों के ज्यादातर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और जकार्ता हरे निशान में हैं। अमेरिकी बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुए थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती की गई है। फेड के चेयरमैन की ओर से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक कमेंट्री दी है। यह बाजार के लिए काफी अच्छा है। इससे भारत में भी ब्याज दरों में कटौती का रास्ता खुल रहा है। ऐसे में बैंकिंग सेक्टर काफी आकर्षक नजर आ रहा है।

सैमसंग इंडिया का 'बिग टीवी फेस्टिवल': AI-टेक्नोलॉजी से लैस प्रीमियम टीवी पर धमाकेदार ऑफ़र और आकर्षक डील्स, इस त्योहारी सीजन में होगा सबसे बड़ा सेलिब्रेशन!

गुरुग्राम,: भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने इस त्यौहारी सीज़न को और खास बनाने के लिए 'बिग टीवी फेस्टिवल' की शुरुआत की है। 14 सितंबर से 10 नवंबर, 2024 तक चलने वाले इस ऑफर में प्रीमियम AI पावर्ड बड़े टीवी जैसे नियो QLED 8K, नियो QLED 4K, OLED और क्रिस्टल 4K HD टीवी पर बेजोड़ डील्स मिल रही हैं। इस प्रमोशन में रोमांचक मुफ्त उपहार, 20% तक कैशबैक, 3 साल की वारंटी और आसान EMI ऑफर शामिल हैं। सैमसंग बिग टीवी फेस्टिवल के साथ, ग्राहक AI तकनीक से लैस बेहतरीन विजुअल और साउंड क्वालिटी वाले टीवी का आनंद ले सकते हैं। सैमसंग का बिग टीवी फेस्टिवल आपके देखने और सुनने के अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है। AI तकनीक से लैस इन टीवी की पिक्चर और साउंड क्वालिटी बेहतरीन है, जिससे आपको घर बैठे सिनेमा जैसा अनुभव मिलेगा। यह खास ऑफर नियो QLED, OLED और क्रिस्टल 4K UHD टीवी के कुछ चुनिंदा मॉडलों पर उपलब्ध है। ग्राहक खास ऑफर्स के तहत 2.9 लाख रुपये तक का सैमसंग टीवी और 1 लाख रुपये तक का मुफ्त साउंड बार भी पा सकते हैं। इसके अलावा, सैमसंग अपने प्रीमियम बड़े टीवी पर 20% तक कैशबैक, 3 साल की वारंटी और 36 महीने तक की लंबी अवधि की EMI का भी विकल्प दे रहा है, जिसमें EMI सिर्फ 2777 रुपये से शुरू होती है। ये बेहतरीन डील्स सैमसंग की वेबसाइट और देशभर के चुनिंदा सैमसंग रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। सैमसंग के इन खास ऑफर्स का उद्देश्य AI तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और प्रीमियम टीवी को आसानी से सुलभ बनाना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने हिमटेक 2024 में विशेष उपयोग वाली मशहूर हिलक्स का प्रदर्शन किया

लेह: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने हिमटेक 2024 संगोष्ठी में विशेष उपयोग वाली हिलक्स का प्रदर्शन किया। यह एक अधिकृत बाहरी विक्रेता के सहयोग से संशोधित मॉडल है। हिमटेक 2024 का आयोजन भारतीय सेना ने फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के साथ मिलकर किया है। रक्षा आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए और रक्षा बलों को उपलब्ध सर्वोत्तम उपकरणों और समाधानों तक पहुँच प्रदान करने के लिए इन दोनों संगठनों (भारतीय सेना और फिक्की) ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों (एचएए) के लिए सैन्य प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए हिमटेक 2024 के लिए सहयोग किया है। 20 और 21 सितंबर 2024 को लेह, लद्दाख के रिनचेन ऑडिटोरियम ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में सेना कमान, वायु सेना, आईटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस) के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा उपयोगकर्ता और टीकेएम के प्रतिनिधियों के साथ अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

टोयोटा के मशहूर क्यूडीआर (गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता) द्वारा संचालित, यह 4×4 ऑल-टेरेन, ऑफ-रोड वाहन सबसे अधिक मांग वाले माहौल में काम करने के लिए खासतौर से इंजीनियर किया गया है। यह इसे विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विविध ग्राहकों के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है, जिसमें भारतीय सेना के विशिष्ट उद्देश्य शामिल हैं जिन्हें अधिकृत बाहरी विक्रेता के समर्थन से संशोधित किया गया है। क्यूरेट किये गये ये वाहन बाजारों और वर्टिकल में विविध उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अद्वितीय समाधानों की पहचान करने की टीकेएम की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इससे 'सभी के लिए गतिशीलता' संभव हो पाती है। कार्यक्रम के दौरान, टीकेएम ने रक्षा और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के लिए अपनी बहुमुखी प्रतिभा और मजबूत क्षमताओं पर जोर देते हुए अनुकूलित हिलक्स का प्रदर्शन किया:

हिलक्स एफ्डीवी (फील्ड डिप्लॉयमेंट व्हीकल): इस मॉडल ने भारी-भरकम अनुप्रयोगों पर ध्यान रखते हुए अपनी व्यावसायिक व्यवहार्यता का प्रदर्शन किया। इससे पहले उत्तरी भारतीय सेना कमान के साथ इसका सफल परीक्षण किया गया था, जिससे सैन्य अभियानों की मांग के लिए इसकी अनुकूलता साबित हुई। इसे विशेष रूप से दूरस्थ स्थान निदान और मरम्मत, साथ ही आपूर्ति और स्पेयर पार्ट्स की आवाजाही जैसे कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो इसे प्रेरक वातावरण के लिए आदर्श बनाता है।

संशोधित हिलक्स: असाधारण ऑफ-रोड प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किया गया, उन्नत सस्पेंशन, विशेष टायर और ऊबड़-खाबड़ व कठिन इलाकों के लिए स्नोरकल से सुसज्जित। इसके संशोधनों ने उबड़-खाबड़ इलाकों के लिए बढ़ी हुई क्षमताओं को उजागर किया है, जो चरम स्थितियों में भी विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। टीकेएम ने पिछले साल भारतीय सेना की उत्तरी कमान द्वारा आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम में दो हाइलक्स - फील्ड डायग्नोसिस व्हीकल (एफ्डीवी) और रैपिड इंटरवेंशन व्हीकल (आरआईवी) प्रदर्शित किए थे। टीकेएम ने हाइलक्स का एक बड़ा बेड़ा सौंप दिया, जो कंपनी द्वारा भारतीय सेना को अपनी हाइलक्स की पहली डिलीवरी को चिह्नित करता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने भारतीय सेना की उत्तरी कमान में वाहन चालकों और सेवा तकनीशियनों के लिए क्रमश: आवश्यक ऑफ-रोड ड्राइविंग के साथ-साथ वाहन रख-रखाव प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की है। कहने की जरूरत नहीं है कि हाई-प्रोफाइल फ़ोरम में टोयोटा की भागीदारी मोबिलिटी स्पेस में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता की खोज के प्रति इसके मजबूत समर्थन को दर्शाती है।

विश्व परिवार महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 21 सितंबर 2024

आयुष्मान पखवाड़ा 20 से 30 सितंबर तक होगा आयोजित

रायपुर (विसं)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन 20 सितंबर से 30 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। पखवाड़े के दौरान हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड का पंजीयन के लिए आपके द्वार आयुष्मान अभियान चलाया जाएगा। जनप्रतिनिधियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से आयुष्मान चौपाल और सभा का आयोजन किया जाएगा। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य जांच शिविर, आयुष्मान भारत साइकिल एवं बाइक रैली, स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता, स्वास्थ्य दौड़ का आयोजन समेत विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव अमेरिका यात्रा से लौटे

कहा- काफी लाभदायक रहा प्रवास, छत्तीसगढ़ की परिस्थितियों में निर्माण की जिन नई तकनीकों को लागू किया जा सकता है उन्हें अमल में लाएंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव अमेरिका के अध्ययन प्रवास के बाद आज सुबह रायपुर पहुंचे। राजधानी वापसी पर स्वामी विवेकानंद विमानतल पर उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया की अमेरिका के अपनी अध्ययन यात्रा के दौरान उन्होंने पांच प्रमुख शहरों का भ्रमण कर सड़क निर्माण और सड़कों के रखरखाव की तकनीक, इनमें एआई के उपयोग और पुल-पुलियों के निर्माण को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों से चर्चा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह के साथ अमेरिका के बड़े-बड़े शहरों में निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली तकनीकों का अध्ययन किया। श्री साव ने अमेरिका में निर्माण स्थलों और ग्रीन-फील्ड रोड का भी अवलोकन किया। उन्होंने अपनी यात्रा को काफी लाभदायक बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की परिस्थितियों में जिन तकनीकों का इस्तेमाल हो सकता है, उन्हें यहां जरूर लागू करेंगे।

श्री साव अपने अध्ययन प्रवास के दौरान शिकागो में आयोजित भारतीय स्वदेशी मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिका यात्रा के दौरान सभी शहरों में भारतीयों और खासकर छत्तीसगढ़ के लोगों से बड़ी संख्या में मुलाकात और बात हुई। छत्तीसगढ़ के बहुत से लोग वहां रह रहे हैं और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। श्री साव ने बताया कि उन्होंने अमेरिका में रह रहे छत्तीसगढ़ के लोगों, भारत के अन्य प्रांतों के लोगों और अमेरिकी लोगों को छत्तीसगढ़ आकर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक-पौराणिक महत्व के स्थलों को देखने तथा यहां की संस्कृति और सभ्यता को समझने के लिए आमंत्रित किया हूं।

युवाओं के कौशल विकास और सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में तेजी से हो रहा है कार्य : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित युवा उत्सव 3.0 में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा राजधानी रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित युवा उत्सव 3.0 को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है और वे हमेशा कहते हैं कि युवाओं को जॉब गिवर बनना चाहिए ना की जॉब सीकर। निश्चित रूप से विकसित भारत बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं पर है और इस लक्ष्य को पाने में छत्तीसगढ़ की युवाशक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आपने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को अपने आयोजन की थीम बनाया है। युवा उत्सव के दौरान अलग-अलग विषयों को लेकर पैनल डिस्कशन होंगे, जिसमें युवाओं के लिए उद्यम में अवसर पर बात होगी। सीआईआई और यंग इंडियन्स की इस पहल से वर्तमान और भावी पीढ़ी को सफल उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत नए जमाने की प्रौद्योगिकी और रोजगार जरूरतों के मुताबिक स्किल डेवलपमेंट करने और शिक्षा देने की बात पर जोर दे रहा है। इसी कड़ी में हम प्रदेश के आदिवासीबहुल क्षेत्र के युवाओं को अब रोबोटिक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी विषय पढ़ा रहे हैं। प्रदेश के स्कूलों में स्किल डेवलपमेंट का कोर्स शामिल करने से पढ़ाई के साथ ही बच्चे हुनरमंद भी हो रहे हैं।

श्री साय ने कहा कि हमारे साथ उद्योग जगत के लोग बैठे हैं। आप सभी जानते है कि प्रदेश में प्रशिक्षित कुशल इंजीनियरों की बहुत अधिक मांग है। इस मांग को पूरी करने हम छत्तीसगढ़ में नए प्रौद्योगिकी संस्थान आरंभ करने जा रहे हैं। इस बजट में हमने आईआईटी की तर्ज पर पांच सीआईटी आरंभ करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके पैदा कर रही है। जल्द ही स्वास्थ्य विभाग में 650 पदों पर मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। एक हफ्ते पहले हमने पुलिस में विभिन्न पदों में भर्तियों के लिए स्वीकृति दी है। नालंदा की तर्ज पर हम सभी नगरीय निकायों में हाईटेक लाइब्रेरी बनवा रहे हैं। नवा रायपुर को हम आईटी हब के रूप में विकसित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने सिंगल विण्डो सिस्टम 2.0 लागू किया है और नई उद्योग नीति भी ला रहे है। छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना के माध्यम से हम युवा उद्यमियों को बढ़ावा देंगे। इसके लिए प्रदेश के युवाओं को 50 प्रतिशत सब्सिडी के साथ ब्याजमुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश मूलत: कृषि आधारित होने से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में विकास की बड़ी संभावनाएं है। छत्तीसगढ़ फूड प्रोसेसिंग का वैश्विक केंद्र बनेगा। हवाई कार्गो सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि इन उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सरगुजा और बस्तर को विकास की मुख्यधारा में शामिल कर अर्थव्यवस्था को विस्तार दे रहे हैं। इन दोनों ही संभागों में आप लोगों के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। दोनों ही जगहों में जैविक उत्पाद और लघु वनोपज को लेकर भी बड़ा काम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हम प्रदेश में कार्य कर रहे हैं। हमने अपना बजट वर्ष 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्यों को देखते हुए तैयार किया है। श्री साय ने कहा कि मुझे उम्मीद है हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश सहित देशभर का युवा राष्ट्र की मज़बूती में अपना योगदान देने में पीछे नहीं रहेगा।

इस अवसर पर श्री संजय जैन, श्रीमती अनुजा भंडारी, श्री गौरव अग्रवाल, श्रीमती श्वेता सहित सीआईआई छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मनीष राज सिंघानिया बनें FADA के National Chairman - Academy & Research

रायपुर (विश्व परिवार)। मनीष राज सिंघानिया बनें FADA के National Chairman - Academy & Research, Federation Of Automobile Dealers Associations (FADA) विगत 60 वर्षों से लगातार ऑटो मोबाईल डीलर को पूरे भारत में प्रतिनिधित्व कर रहें है।

मनीष राज सिंघानिया के अध्यक्ष के रूप में 2022 से 2024 तक उत्कृष्ट कार्यकाल रहा और पिछले 15 साल से FADA के विभिन्न पदो पर कार्यरत रहें है।

मनीष राज सिंघानिया अपने अध्यक्ष कार्यकाल के बाद FADA के National Academy & Research ·Ô¤ Chairman बनें। चेयरमेंन मनीष राज सिंघानिया प्रतिबद्ध है कि FADA Academy & Research को नई उँचाईयों में पहुँचाने के लिए Academy Customer E&perience Inde& 2.0 का अध्ययन को करेंगे एवं ऑटो रिटेल सेक्टर से संबधित विभिन्न प्रकार की रिचर्स करेंगे जिसे ऑटो सेक्टर के तीनों स्तंभ डीलर (FADA) सप्लायर (ACMA) एवं मैन्युफैक्चर (SIAM) की समझ बढ़े और आगे दिशा मिले। एकेडमी में FADA ने IIT दिल्ली, NMIMS मुम्बई एवं पूरे प्रदेश में अग्रणीय संस्थाओं के साथ सहयोग किया गया है और डीलर समुदाय के लिए ग्रोथ और समझ के लिए विभिन्न विषय को लॉच करेंगे। आगे मनीष राज सिंघानिया ने कहा ऑटो रिटेल क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन के समय में FADA के अध्यक्ष के रूप में सेवा करना एक बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। ऑटोमोटिव उद्योग की सबसे महत्वपूर्ण शाखा डीलरों का प्रतिनिधित्व करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है जिसे मैं गहराई से मानता है। पिछले दो वर्षों में, हमने उद्योग के प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने और ऑटो खुदरा समुदाय के लिए चुनौतियों को कम करने के लिए सभी हितधारकों के साथ सहयोग किया है।

हमने मॉडल डीलर समझौते के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की है, दो प्रमुख ब्रांड पहले ही इसे अपना चुके हैं और अन्य उन्नत चरणों में हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय संस्थानों के साथ हमारे प्रयासों ने डीलरों और वित्तीय भागीदारों को संरेखित करने में मदद की है, जिससे महत्वपूर्ण चिंताओं पर बेहतर सहयोग सुनिश्चित हुआ है। हमारी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक थोक से अधिक खुदरा आंकड़ों पर बढ़ता ध्यान है, एक पहल FADA ने छह साल पहले शुरू की थी, जो अब OEMS से मान्यता प्राप्त कर रही है। जैसा कि वे कहते हैं, रोम एक दिन में नहीं बना था लेकिन यह हमारे संघ के लिए एक सच्ची जीत का प्रतिनिधित्व करता है।

समय पर इलाज से मेलियोइडोसिस से ठीक हुआ रायपुर का मरीज : एमएमआई नारायणा अस्पताल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के 36 वर्षीय व्यक्ति ने एमएमआई नारायणा अस्पताल में समय पर उपचार मिलने के बाद मेलियोइडोसिस, जो एक दुर्लभ लेकिन घातक संक्रमण है, से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। हाल ही में मधुमेह से ग्रस्त हुए इस मरीज को तेज बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई के साथ भर्ती कराया गया था। एक सप्ताह पहले उन्होंने एक झरने में स्नान किया था, जिसे डॉक्टरों ने बाद में संक्रमण का संभावित स्रोत बताया।

अस्पताल में भर्ती होने पर व्यक्ति को दोनों फेफड़ों में निमोनिया था, साथ ही लिवर और किडनी से संबंधित जटिलताओं के संकेत मिले। उसकी हालत गंभीर थी और सांस लेने में सहायता के लिए उसे नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन (NIV) की जरूरत थी। डॉक्टरों ने मौसमी संक्रमण का संदेह करते हुए उसे तुरंत एंटीबायोटिक्स देना शुरू कर दिया।

उपचार शुरू करने के एक दिन बाद, रक्त परीक्षण में Burkholderiapseudomallei नामक बैक्टीरिया की उपस्थिति का पता चला, जो मेलियोइडोसिस का कारण बनता है। यह संक्रमण, हालांकि दुर्लभ है, समय पर निदान न होने पर जानलेवा हो सकता है। मरीज को तुरंत लक्षित एंटीबायोटिक्स दिए गए, जिसे डॉक्टरों ने आगे की जटिलताओं, जैसे सेप्टिक शॉक या अंगों की विफलता को रोकने के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉक्टर्स की टीम जिसमे छाती रोग विशेषज्ञ (डॉ. दीपेश मस्के, डॉ. वर्षा), किडनी विशेषज्ञ (डॉ. सुनील धर्माणी), फिजिशियन (डॉ. राजेंद्र परघानिया, डॉ. मुकेश शर्मा) एवं क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट (डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. जय प्रकाश यादव) के द्वारा पांच दिन के गहन इलाज के बाद मरीज की हालत में सुधार होने लगा। उसकी ऑक्सीजन की जरूरत कम हो गई, और लिवर तथा किडनी की कार्यक्षमता सामान्य होने लगी। दसवें दिन उसे दवाइयों के साथ अस्पताल से छुट्टी दे दी गई वह पूरी तरह से ठीक है।

डॉक्टर का कहना है कि जल्दी निदान और सही इलाज ने इस मरीज की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। यहां मेलियोइडोसिस असामान्य है, लेकिन बरसात के मौसम में बढ़ते मामलों के साथ, समय पर चिकित्सा सहायता बेहद जरूरी है। मेलियोइडोसिस एक संक्रामक रोग है, जो मिट्टी और पानी में पाए जाने वाले बैक्टीरिया से होता है, खासकर मानसून के दौरान। हालांकि यह दुर्लभ है, लेकिन मधुमेह के रोगी, जैसे इस मामले में मरीज, अधिक जोखिम में होते हैं। एमएमआई नारायणा अस्पताल के डॉक्टर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

रायपुर (विश्व परिवार)। आपसी सुलह (राजीनामा) के जरिए मामलों का निपटारा करने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के तत्वावधान में शनिवार 21 सितम्बर 2024 को देशव्यापी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) बिलासपुर द्वारा प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों एवं व्यवहार न्यायालयों में भी लोक अदालत आयोजित किए जाएंगे। यह वर्ष 2024 की तृतीय लोक अदालत होगी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आगामी लोक अदालत 14 दिसंबर 2024 को आयोजित होगी। न्यायालयों में बड़ी संख्या में लंबित प्रकरणों में कमी लाने के उद्देश्य से तथा प्रभावित पक्षकारों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की दिशा में नेशनल लोक अदालत एक प्रभावशाली कदम है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान : सेक्रेसा ग्राउंड डब्लूआरएस कॉलोनी में खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता का दिया गया संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम के साथ स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक मनाया जा रहा है 7 इसी क्रम में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक आयोजित इस स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के सभी स्टेशनों, रेलवे परिसरों, पटरियों, कार्य क्षेत्रों तथा गाडियों में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान के चौथे दिन सेक्रेसा ग्राउंड डब्लूआरएस कॉलोनी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छता के महत्व को समझाना था। आज खो खो खेल प्रतियोगिताओं और अन्य खेलों को शामिल किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं अपनी फिटनेस और कौशल का प्रदर्शन किया। इन खेलों के माध्यम से स्वच्छता से संबंधित संदेशों को सरल और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया, ताकि छात्र-छात्राएं स्वच्छता के महत्व को खेल-खेल में समझ सकें।

इसके अलावा मंडल कार्मिक अधिकारी (प्रभारी) राहुल गर्ग की उपस्थिती में रेलवे कर्मचारी उनके बच्चों ने अधिकाधिक संख्या में भाग लिया 7 कार्यक्रम के दौरान सभी को स्वच्छता बनाए रखने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हे बताया गया कि कैसे छोटी-छोटी आदतें, जैसे कूड़े को कूड़ेदान में डालना, हाथ धोना और अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखना, हमारे समाज को स्वच्छ और स्वस्थ बना सकती है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के पांचवे दिन कल दिनांक 21 सितम्बर को एक पेड़ माँ के नाम थीम पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर आदिवासी क्षेत्र में युवाओं का संवर रहा भविष्य

नवसंकल्प शिक्षण संस्थान ला रहा युवाओं के जीवन में बदलाव

प्रतियोगी परीक्षाओं की कराई जा रही निःशुल्क तैयारी

विभिन्न परीक्षाओं में अब तक हुए है 150 युवा चयनित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में युवाओं का भविष्य संवर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश के बाद जिला प्रशासन की ओर से रोजगार एवं कौशल विकास को लेकर अनेक कार्य हो रहे है। जिससे विशेष पिछड़ी जनजातियों और आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए सार्थक पहल किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिला प्रशासन ने अभिनव पहल की है, इससे युवाओं का जीवन बदल रहा है। यहां युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए जशपुर में आवासीय नवसंकल्प शिक्षण संस्थान संचालित है। जहां आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी कराई जा रही है। विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा दूरस्थ अंचल के बच्चों को वर्तमान में राज्य सेवा परीक्षा, उप पुलिस निरीक्षक, आरक्षक, शिक्षक भर्ती एवं नेट, सेट, व्यापमं द्वारा आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षाएं, बैंकिंग, अग्निवीर और एसएससी सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं की तैयारी करवाई जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री नि:शुल्क दी जाती है, ताकि अधिक से अधिक बच्चे प्रतियोगी परीक्षा की तैयार करके अपना भविष्य संवार सके। नवसंकल्प शिक्षण संस्थान में रहकर तैयारी कर एसएससी जीडी उत्तीर्ण कर चुके जशपुर बेलडीपा के युवा नेहरूलाल ने बताया कि पहले क्षेत्रवासियों को सेंट्रल लेवल परीक्षा की तैयारी के लिए दूर जाना पड़ता था। अब जशपुर में ही उन्हें नि:शुल्क पढ़ाई की सुविधा मिलने लगी है।

महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा द्वारा भूपदेवपुर स्टेशन में किए जा रहे यार्ड मॉडिफिकेशन कार्यों का निरीक्षण किया गया

बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन निर्माण कार्य के अंतर्गत भूपदेवपुर स्टेशन में किया जा रहा है यार्ड मॉडिफिकेशन कार्य

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेल की महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा द्वारा आज 20 सितंबर 2024 को भूपदेवपुर रेलवे स्टेशन पर बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन निर्माण कार्य के अंतर्गत भूपदेवपुर स्टेशन में किए जा रहे यार्ड मॉडिफिकेशन कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान इस कार्य से संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदया ने भूपदेवपुर स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। भूपदेवपुर स्टेशन में यार्ड माड़िफिकेशन के दौरान स्थापित किए जा रहे ऑटोमैटिक इंटरलाकिंग उपकरणों, रेल संरक्षा से जुड़े उपकरणों सहित अन्य उपकरणो का बारीकी से प्लान का अवलोकन किया एवं उपस्थित अधिकारियों से यार्ड मॉडिफिकेशन कार्य के प्रगति की जानकारी ली। बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर से झारसुगुड़ा के मध्य 206 कि.मी. चौथी लाइन का निर्माण लगभग 2135 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जा निरीक्षण कर महाप्रबंधक रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत महोदया ने नए यार्ड के ले-आउट अब तक लगभग 113 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक महोदया ने उपस्थित अधिकारियों को संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्यों को तय समय में पूर्ण करने से संबंधित दिशा-निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय को गौरव दिलाने कड़ी मेहनत करें : राज्यपाल रमेन डेका

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के 61 वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्वविद्यालय को गौरव दिलाने के लिए उत्साह के साथ और कड़ी मेहनत करें ताकि यह देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हो सके। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के 61वें स्थापना दिवस समारोह में उक्त बातें कहीं।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में श्री डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक अदभुत और सुंदर राज्य है। यहां की 70 प्रतिशत आबादी शिक्षित है साथ ही 44 प्रतिशत भूमि वनाच्छादित है, यहां की संस्कृति रामायण काल से भी पुरानी है। राज्य की ये तीनों विशेषताएं उन्हें प्रभावित करती हैं। उन्होंने असम और छत्तीसगढ़ की प्राचीन विरासत और संस्कृति में समानता बताई। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता का कोई शार्टकट रास्ता नहीं है। अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी होगी। श्री नेल्सन मंडेला 26 वर्ष जेल में बिताने के बाद द. अफ्रीका के राष्ट्रपति बने थे इसलिए यह दृष्टिकोण रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए कि जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भारत में जन्म लिया है। भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था अत्यंत समृद्ध थी।

समारोह में रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रदेश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। यहां पढ़े हुए विद्यार्थी बड़े-बड़े पदों पर काम कर रहे है। उन्होंने पुराने विद्यार्थी का एलुमिनी आयोजित करने का सुझाव दिया जिससे विश्वविद्यालय को भी फायदा होगा।

समारोह के मुख्य अभ्यागत नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय शिलांग (मेघालय) के कुलपति प्रोफेसर पी. एस.शुक्ला ने दोनों विश्वविद्यालय के समन्वय से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना पर प्रकाश डाला। समारोह में स्वागत उद्बोधन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने दिया। समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले महाविद्यालय को पुरस्कृत किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354